राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उतरांचल, उतराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात, संस्करण गुरुवार, 6 जनवरी–2022 वर्ष–4, अंक–344 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-अब थप्पड़ मारकर 'सॉरी' बोलने की प्रथा खत्म होनी चाहिए

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, अब बहुत हो चुका, थप्पड़ मारकर सॉरी बोलने की प्रथा खत्म करनी होगी। इस टिप्पणी के साथ ही शीर्ष अदालत ने उत्तराखंड हाईकोर्ट पर अवमाननापूर्ण आरोप वाली याचिका खारिज करते हुए याचिकाकर्ता विजय सिंह पाल पर 25 लाख का जुर्माना भी लगाया। जो उसे चार हफ्ते में कोर्ट की रजिस्ट्री में जमा कराना होगा। ऐसा नहीं करने पर उसकी संपत्ति से भू-राजस्व के बकाया के रूप में राशि की वसूली की जाएगी। जस्टिस एएम खानविलकर और जस्टिस सीटी रविकुमार की पीठ ने आदेश में कहा, आवेदन में किए गए कथन अस्वीकार्य हैं। आवेदक द्वारा पूरे उत्तराखंड हाईकोर्ट और राज्य सरकार के अधिकारियों पर आरोप लगाने का दुस्साहस किया गया। हमारे विचार में एक आवेदक जो खुद को उस मामले में हस्तक्षेपकर्ता बनाना चाहता है जिसमें जटिल मुद्दे शामिल हैं। उसे कुछ संयम दिखाना चाहिए और निराधार आरोप लगाने से बचना चाहिए। पीठ ने हरिद्वार के जिला कलेक्टर को चार सप्ताह में पाल से वसूली के आदेश का पालन करने का निर्देश दिया है। याचिका में पाल ने दावा किया था कि वह कई राज्यों में संपत्तियों का प्रबंधन करने वाले तत्कालीन होल्कर शाही परिवार के इंदौर स्थित ट्रस्ट द्वारा संपत्तियों की बिक्री और हस्तांतरण के कथित घोटाले का व्हिसल ब्लोअर था। उसने उत्तराखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीशों, उत्तराखंड सरकार के अधिकारियों के साथ-साथ सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता पर इस मामले में निष्पक्ष रूप से कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया। मेहता मामले में मध्य प्रदेश सरकार की ओर से पेश हुए। अक्तूबर 2020 में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने खासगी (देवी अहिल्याबाई होल्कर चैरिटीज) ट्रस्ट द्वारा संपत्तियों की बिक्री और हस्तांतरण को शून्य करार दिया था और आर्थिक अपराध शाखा को इसकी जांच करने का आदेश दिया था।

पाकुड़ में बस-ट्रक में भीषण टक्कर, 8 से ज्यादा लोगों की दर्दनाक मौत

जानकारी के मुताबिक बुधवार की सुबह लिट्टीपाड़ा-अमड़ापाड़ा मुख्य सड़क पर पडेरकोला की समीप पगला बाबा कंपनी की बस और सिलेन्डर लदी ट्रक सामने से टकरा गयी। तेज रफ्तार से आ रहे अनियंत्रित ट्रक ने ही बस में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी दोनो गाड़ियों में काफी क्षति हो गयी है। मृतकों में अधिकांश लोग बस पर सवार थे।

पाकुड़। पाकुड़ जिले से बड़ी खबर है जहां एक भीषण सड़क हादसे में कम से कम 8 लोगों की मौत हो गयी है और 16 से ज्यादा लोगों की हालत गंभीर है। मौत का आंकड़ा बढ़ सकता है। घटना अमरापाड़ा थाना इलाके के पड़ेर कोला गांव के पास घटी है। यात्रियों से भरी एक बस और ट्रक में सीधी टक्कर हो गयी है। ट्रक में गैस सिलेंडर लदे हैं। पुलिस मौके पर पहुंच गयी है। घायलों को अस्पताल भेज दिया गया है। अमरापाड़ा थाना पुलिस का कहना है कई लोग बेहोश हैं और सर्दी बहुत है इसलिए दुर्घटना का सही आंकड़ा नही मिल रहा है। पुलिस मृतकों और घायलों की पहचान में जुटी हुई है। मौके से जो तस्वीरें आई हैं उनमे मृतकों के शव सड़क पर बखड़े हुए दिख रहे हैं।

इस घटना में अभी 8 लोगों की मौत की पूष्टि की गई है। लेकिन, स्थानीय लोग 10 से ज्यादा लोगों के मरने की बात कह रहे हैं। मृतकों की संख्या में और इजाफा हो सकता है। घायलों का भी सटीक आंकड़ा नही मिल रहा है।

मरने वालों में महिलाएं भी शामिल हैं।

जानकारी के मुताबिक बुधवार की सुबह लिट्टीपाड़ा-अमड़ापाड़ा मुख्य सड़क पर पडेरकोला की समीप पगला बाबा कंपनी की बस और सिलेन्डर लदी ट्रक सामने से टकरा गयी। तेज रफ्तार से आ रहे अनियंत्रित ट्रक ने ही बस में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी दोनो गाड़ियों में काफी क्षति हो गयी है। मृतकों में अधिकांश लोग बस पर सवार थे। टक्कर के बाद बस में सवार लोग सड़क पर आ गिरे। टक्कर का धमाका सुनकर आस पास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी।

इस घटना में अभी 8 लोगों की मौत की पूष्टि की गई है। लेकिन, स्थानीय लोग 10 से ज्यादा लोगों के मरने की बात कह रहे हैं। मृतकों की संख्या में और इजाफा हो सकता है। घायलों का भी सटीक आंकड़ा नही मिल रहा है। मौसम सर्द होने की वजह से बस में सवार सभी लोग चोटिल हैं। स्थानीय लोग भी राहत और बचाव के कार्य में जुटे हुए हैं। वे पुलिस की मदद कर रहे हैं। दुर्घटना में पीड़ित लोगों की पहचान की जा रही है। अमरापाड़ा पुलिस ने बताया है कि जो जानकारी मिलेगी उसे शेयर किया जाएगा।

पुलवामा में आतंकियों के साथ छिड़ी बड़ी मुठभेड़

एक पाकिस्तानी सहित जैश के तीन दहशतगर्द ढेर

पुलवामा। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। बुधवार सुबह शुरू हुए तलाशी अभियान के बाद मुठभेड़ शुरू हो गई और अब तक इसमें जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकियों को ढेर कर दिया गया है। इसमें से एक पाकिस्तानी नागरिक है। कश्मीर पुलिस इंस्पेक्टर जनरल ने बताया कि इन आतंकियों के पास से 2 एम-4 कार्बाइन और 1 एके सीरीज राइफल सहित आपत्तिजनक सामग्री, हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किए गए हैं। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया सूचना के आधार पर पुलिस और सुरक्षा बलों की टीम ने जिले के चांदगाम गांव में आज सुबह घेराबंदी और तलाश अभियान छेड़ा। इसी दौरान वहां छिपे आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में सुरक्षा बलों ने भी गोलियां चलाई। दोनों पक्षों के बीच मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकवादी मारे गये, जिनमें एक पाकिस्तानी भी शामिल है।

पुलिस महानिरीक्षक (कश्मीर रेंज) विजय कुमार ने जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकवादियों के मारे जाने को एक बड़ी सफलता बताया। आईजी कश्मीर ने ट्वीट किया, एक पाकिस्तानी समेत जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकवादी मारे गए। दो एम-4 कार्बाइन और एक एके सीरीज राइफल सहित आपत्तिजनक सामग्री, हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया। हमारे लिए एक बड़ी सफलता। दक्षिणी कश्मीर में सोमवार के बाद से यह दूसरी मुठभेड़ है। कुलगाम जिले में मंगलवार को हुई मुठभेड़ में दो स्थानीय आतंकवादी मारे गये थे।

आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया सूचना के आधार पर पुलिस और सुरक्षा बलों की टीम ने जिले के चांदगाम गांव में आज सुबह घेराबंदी और तलाश अभियान छेड़ा।

धर्म के रास्ते आतंक फैलाने की फिराक में पाक

करतारपुर से आतंकियों की घुसपैठ कराने की कोशिश

नई दिल्ली। पाकिस्तान की एजेंसी आईएसआई भारत विरोधी साजिश में नए रास्तों के जरिए आतंकियों की घुसपैठ कराने की कवायद में जुटी है। इस कड़ी में करतारपुर कॉरिडोर से घुसपैठ की आशंका भी खुफिया एजेंसियों ने जाहिर की है। खुफिया एजेंसियों को मिले इनपुट के मुताबिक पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई ने घुसपैठ की जिम्मेदारी फिलहाल लश्कर-ए-तैयबा को सौंपी है। आईएसआई करतारपुर कॉरिडोर से आतंकियों को भारत भेजने के लिए दस्तावेज व सुविधाएं मुहैया कराएगी। खास मकसद के लिए आतंकियों को दो सप्ताह की विशेष ट्रेनिंग आईएसआई की निगरानी में दी गई है। यह भी पता चला है कि आतंकी संगठन पांच लोगों के साथ ऑपरेशन को अंजाम देने की तैयारी कर रहा है, जो सिख पोशाक पहनेंगे। इस संगठन को साकरगढ़ में एक आतंकी शिविर में आईएसआई की निगरानी में दो सप्ताह का कमांडो प्रशिक्षण दिया गया है और यह लश्कर-ए-तंजीम संगठन से जुड़ा है। सूत्र ने दो लोगों का नाम मोहम्मद गुलजार माघरे और मोहम्मद सहजदा बंदे के रूप में भी बताए हैं। उन्हें पंजाब के गुरदासपुर और पठानकोट जाने के निर्देश दिए गए हैं। सूत्रों के अनुसार निकट भविष्य में घुसपैठ की यह कोशिश की जा सकती है। खुफिया इनपुट के मुताबिक आतंकियों को पंजाब के गुरदासपुर और पठानकोट जाने के निर्देश दिए गए है। इन दोनों जगहों पर आतंकी कार्रवाई की साजिश रची जा रही है। पठानकोट और गुरदासपुर में हथियार और दूसरे साजो सामान पहुंचाने की योजना बनाई गई है। गौरतलब है कि पंजाब में चुनाव होने हैं। खुफिया व सुरक्षा एजेंसियां विशेष सतर्कता बरत रही हैं।

नेट जीरो कार्बन लक्ष्य के लिए परमाणु ऊर्जा भी अहम स्रोत

30 हजार मेगावाट अतिरिक्त ऊर्जा क्षमता जोड़ने पर भी गंभीर विमर्श

नई दिल्ली। भारत को वर्ष 2070 तक नेट जीरो कार्बन इकोनमी यानी बहुत ही कम कार्बन उत्सर्जित करने वाले देश के तौर पर स्थापित करने में सिर्फ सौर, पवन या दूसरी रिनीवेबल एनर्जी स्त्रोतों के भरोसे ही नहीं रहना होगा बल्कि देश में परमाणु ऊर्जा को भी बढ़ावा देना होगा। कई विकसित देशों ने कार्बन उत्सर्जन कम करने में परमाणु ऊर्जा की अहमियत को स्वीकार किया है। उन्होंने परमाणु ऊर्जा को गैर पारंपरिक ऊर्जा स्त्रोतों की तरह ही बढ़ावा देना शुरू किया है। भारत को भी यह काम करना चाहिए। यह बात देश के प्रख्यात भौतिकविद और परमाणु ऊर्जा आयोग के पूर्व अध्यक्ष डा.अनिल काकोदकर ने कार्बन उत्सर्जन कम करने और परमाणु ऊर्जा की अहमियत पर एक रिपोर्ट जारी करने के दौरान कही। यह रिपोर्ट विवेकानंद इंटरनेशनल फाउंडेशन की तरफ से तैयार की गई है जिसमें

पहली बार भारत के परिप्रेक्ष्य में परमाणु ऊर्जा के भविष्य व इसके भावी रोडमैप का जिक्र है। अगर सरकार की तैयारियों की तरफ देखें तो भी यह स्पष्ट होता है कि परमाणु ऊर्जा को लेकर भारी भरकम लक्ष्य तैयार किए गए हैं और उसके हिसाब से कदम भी बढ़ाए जा रहे हैं। कुछ हफ्ते पहले ही संसद में परमाणु ऊर्जा विभाग की तरफ से बताया गया कि देश में परमाणु ऊर्जा संयंत्रों की कुल उत्पादन क्षमता अभी महज 6,780 मेगावाट है जो वर्ष 2030-31 तक बढ़कर 22,480 मेगावाट हो जाएगी। भारत में घरेलू तकनीक पर विकसित 10 हेवी वाटर रिएक्टर लगाये जा रहे हैं जिनकी क्षमता 7,000 मेगावाट है। मध्य प्रदेश के चुटका, कर्नाटक के कैगा, राजस्थान के बांसवाड़ा व हरियाणा के गोरखपुर में ये परमाणु ऊर्जा संयंत्र लगेंगे। लेकिन सरकारी सूत्रों का कहना है कि घोषित 22,480 मेगावाट क्षमता जोड़ने के अलावा परमाणु उर्जा से अगले 10 से 15 वर्षें के भीतर 30 हजार मेगावाट क्षमता और जोड़ने की रिपोर्ट पर काम हो रहा है।

ठंड और प्रदूषण के बीच बारिश से बढ़ी ठंड, कोहरे ने बढ़ाई मुश्किलें

नई दिल्ली। दिल्लीवाले ठंड और प्रदूषण के सितम से परेशान हैं। आसमान में घना कोहरा छाया हुआ है जिससे विजिबिलिटी काफी कम है। इसी बीच आज दिल्ली के कई इलाकों में बारिश हुई है जिससे और ठंड बढ़ने के आसार हैं। वहीं दिल्ली और गुड़गांव की हवा बेहद खराब श्रेणी में है।

चार डिग्री तक गिरेगा तापमान–पश्चिमी विक्षोभ के असर से दिल्ली के मौसम में अगले तीन-चार दिनों में बदलाव देखने को मिलेगा। बादल और हल्की बरसात से दिन के तापमान में चार डिग्री तक गिरावट होने की संभावना है, वहीं न्यूनतम तापमान में इजाफा होगा। देश के उत्तरी हिस्से में एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव देखने को मिल रहा है। इसके चलते उच्च हिमालयी क्षेत्रों में बारिश और बर्फबारी हो रही है। वहीं पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली जैसे उत्तर भारत के इलाके में बादल व बरसात की गतिविधियां संभावित हैं। वहीं दिन के समय भी बादल छाए रहेंगे। बादल छाए रहने के चलते धूप कम निकलेगी, इससे दिन के तापमान में गिरावट आएगी और न्यूनतम तापमान में इजाफा होगा। इस दौरान हवा की गति भी 12 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। लंबे अरसे से हवा की गति बेहद कम रही है। अब हवा की रफ्तार बढ़ने का फायदा लोगों को प्रदूषण घटने के रूप में भी मिलेगा। दिल्ली के 14 निगरानी केंद्र ऐसे हैं, जहां का वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 अंक से ऊपर यानी गंभीर श्रेणी में बना हुआ है। मंगलवार को दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक बेहद खराब श्रेणी में दर्ज किया गया। दिल्ली के लोग लगातार भयावह प्रदूषण का सामना कर रहे हैं। नवंबर के बाद से ही हवा की गुणवत्ता लगातार खराब श्रेणी में चल रही है। इस दौरान ज्यादातर समय वायु गुणवत्ता सूचकांक 300 अंक से ऊपर यानी बेहद खराब या गंभीर श्रेणी में रहा।

चुनावी रैलियों पर रोक को लेकर जल्द कोई ऐलान कर सकता है आयोग

नई दिल्ली। पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव की घोषणा होने के साथ ही सभाओं और रैलियों में कोविड प्रोटोकॉल के तहत सख्ती शुरू कर दी जाएगी। फिलहाल कोरोना के ओमिक्रॉन वैरिएंट के बढ़ते प्रसार के बीच भी चुनावी रैलियों, बाइक रैलियों, नुक्कड़ सभा और जनसभाओं पर कोई प्रतिबंध नहीं है।

निर्वाचन आयोग के सूत्रों ने कहा है कि रैलियों पर प्रतिबंध कोविड-19 दिशा-निर्देशों के तहत लगेगा, जैसा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में किया गया था। इन रैलियों पर राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन कानून, 2005, महामारी एक्ट, 1897 तथा राज्य आपदा नियमन कानून के तहत जिलाधिकारियों व निर्वाचन अधिकारियों को पूर्ण शक्ति दी जाएगी। वे कोरोना के प्रसार को देखते हुए अपने इलाके में रैली आयोजित करने न करने का निर्णय कर सकेंगे। आयोग के सूत्रों ने कहा कि यदि राजनीतिक पार्टियां और उम्मीदवार प्रोटोकॉल का पालन नहीं करते हैं तो आयोग रैलियों पर रोक लगाने से भी नहीं झिझकेगा। लेकिन यह होगा तब ही जब चुनावों की घोषणा हो जाएगी। घोषणा होते ही आयोग राज्यों का प्रशासन अपने हाथ में ले लेगा। अनुच्छेद 324 के तहत आयोग को यह शक्ति हासिल है। साथ ही आदर्श आचार संहिता भी प्रभावी हो जाएगी।

इस हफ्ते चुनाव की घोषणा संभव–फिलहाल पांच चुनावी राज्यों यूपी, गोवा, पंजाब, उत्तराखंड और मणिपुर में खूब चुनावी रैलियां हो रही हैं। लेकिन मतदान की घोषणा होते ही आयोग 9 अप्रैल 2021 को जारी कोविड प्रोटोकॉल को प्रभावी कर देगा। संभावना है कि आयोग इस हफ्ते पांचों राज्यों में विधानसभा चुनावों की घोषणा कर सकता है। चुनाव फरवरी और मार्च में होंगे। पंजाब को छोड़ चारों राज्यों में भाजपा की सरकार है।

फिलहाल राज्य भी ले सकता है निर्णय–

आयोग के एक अधिकारी ने कहा कि राज्य प्रशासन मौजूदा वक्त में भी रैलियों को नियमित कर सकता है। राज्य प्रशासन राज्य आपदा प्रबंधन एक्ट, 2005 के तहत कार्रवाई कर सकते हैं। लेकिन चूंकि चुनाव है और सत्तारूढ़ सरकारें भी अपना अपना प्रचार कर रही हैं, इसलिए राज्य सरकार ऐसा नहीं कर रही है।

दिल्ली का दम निकालने लगा ओमिक्रॉन, 82 गुना बढ़े कोरोना केस

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना वायरस के मामले अब दहशत फैलाने लगे हैं। बेकाबू हालात को देखते हुए सरकार ने वीकेंड कर्फ्यू लगाने का फैसला लिया है। इसी बीच कोविड-19 दूसरी लहर के खत्म होने के बाद अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या तीन गुना बढ़ गई है। जबकि नए संक्रमण की दर दूसरी लहर के बाद के निम्न स्तर से 82 गुना से अधिक बढ़ गई है।

इससे पता चलता है कि दिल्ली में नए संक्रमणों में वृद्धि के बावजूद चिकित्सा देखभाल की जरूरत वाले रोगियों में बहुत मामूली वृद्धि देखी जा रही है। दुनिया भर के ट्रेंड को देखें तो वहां ओमिक्रॉन के तेजी से फैलने की वजह से केस में बहुत ज्यादा वृद्धि हुई है। दिल्ली में जिन लोगों को अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता है, उनकी वर्तमान संख्या वास्तव में बहुत कम है। दिल्ली सरकार द्वारा दिए आंकड़ों के अनुसार मरीजों को दो श्रेणियों में बांटा गया है। पहले ओमिक्रॉन के वो मरीज हैं जिन्हें तुरंत चिकित्सीय देखभाल की जरूरत नहीं है (सरकारी आंकड़ों के अनुसार इसमें ज्यादातर लोग हल्के लक्षण (एसिप्टोमैटिक) वाले हैं) लेकिन आइसोलेशन के लिए उन्हें भर्ती किया गया है। दूसरे मरीज वो हैं जिन्हें दिल्ली के स्वास्थ्य बुलेटिन में संदिग्ध मरीज बताया गया है।

दिल्ली सरकार द्वारा 3 जनवरी को जारी किए गए स्वास्थ्य बुलेटिन के अनुसार, शहर में कोविड-19 रोगियों के लिए उपलब्ध 9,029 अस्पताल के बेड में से केवल 420 पर ही मरीज भर्ती थे। सरकारी डाटा के अनुसार, भारत की दूसरी लहर (और दिल्ली की चौथी) के पीक के बाद, 28 नवंबर, 2021 को खत्म हुए हफ्ते में दिल्ली में भर्ती मरीजों के बेड की संख्या घटकर 128 हो गई थी। इससे पता चलता है कि दूसरी लहर की समाप्ति की तुलना में अभी भर्ती मरीजों की संख्या 3.3 गुना अधिक है।

दिल्ली के अस्पताल में भर्ती मरीजों की संख्या को देखा जाए तो इससे पता चलता है कि भर्ती मरीज दो तरह के हैं- पहले जिनमें हल्के लक्षण दिख रहे हैं और दूसरे जो संदिग्ध रोगी हैं। वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में कई ओमिक्रॉन मरीज अनिवार्य होम आइसोलेशन का पालन कर रहे हैं क्योंकि संक्रमण की उच्च संचरण दर को देखते हुए, इन मरीजों के लिए होम आइसोलेशन की नीति अभी तक तैयार नहीं की गई है।

इसका मतलब यह है कि इन नीतिगत निर्णयों के कारण अस्पताल के बेड की संख्या को बढ़ाया गया है क्योंकि अस्पतालों में भर्ती मरीजों की एक बड़ी संख्या हल्के लक्षण (ओमिक्रॉन संक्रमणों का एक बड़ा हिस्सा पूरे देश में है) वाली है, और उन्हें अस्पताल में भर्ती होने की बिल्कुल भी जरूरत नहीं है। सरकारी स्वास्थ्य बुलेटिन के अनुसार, 168 रोगियों को ऑक्सीजन सपोर्ट की जरूरत है और 14 वेंटिलेटर पर हैं।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के पूर्व अध्यक्ष डॉ जेए जयलाल ने कहा कि बेशक अन्य देशों में ओमिक्रॉन वैरिएंट के पॉजिटिव मरीजों में हल्के लक्षण दिख रहे हैं, लोगों को सतर्क रहने और कोविड-उपयुक्त व्यवहार का पालन करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, %वैश्विक ट्रेंड यह है कि वैक्सीन लेने वाले लोगों में, अस्पताल में भर्ती होने की संभावना उन लोगों की तुलना में कम होती है जिन्होंने वैक्सीन नहीं लगवाई है। इसलिए, हमें लापरवाही नहीं करनी चाहिए और सरकारों को ज्यादा से ज्यादा टीकाकरण पर जोर देना चाहिए ताकि स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली पर भार कम हो क्योंकि मामले पीक पर हैं।

दिल्ली सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, जब मामले और बढ़ेंगे, तो हमें केवल गंभीर मामलों और उच्च जोखिम वाले मरीजों को ही अस्पताल में भर्ती करना होगा। चूंकि यह वैरिएंट बहुत ज्यादा तेजी से फैलता है। ऐसे में होम आइसोलेशन के लिए सख्त दिशा-निर्देशों की आवश्यकता होगी ताकि परिवार और पड़ोस के अन्य सदस्य संक्रमित न हों।

सुविचार
प्रेम करने वाला व्यक्ति कभी भी उद्दंड, अत्याचारी और स्वार्थी नहीं होता। - महात्मा गांधी

संपादकीय

त्वरित कदम उठाएं

देश की राजधानी दिल्ली में 'सप्ताहांत कर्फ्यू' समेत अनेक पाबंदियों के एलान से यह साफ हो जाना चाहिए कि कोविड-19 संक्रमण की तीसरी लहर तेजी से गंभीर रूप लेती जा रही है। दिल्ली में इसकी पॉजिटिविटी दर 8.37 फीसदी पर पहुंच गई है, तो वहीं गोवा में यह 26.43 प्रतिशत के आंकड़े को छू चुकी है। ऐसे में, बगैर आतंकित हुए पर्याप्त एहतियात बरतने की जरूरत है। ओमीक्रोन वेरिएंट की संक्रमण क्षमता को देखते हुए न तो यह दर अप्रत्याशित है और न ही हमारा तंत्र इस बार गाफिल है। फिर ज्यादातर स्वास्थ्य विशेषज्ञ ओमीक्रोन वेरिएंट के लक्षणों को देखते हुए इसे कम जोखिम वाला बता रहे हैं। अलबत्ता, तमाम राज्य सरकारों को भरपूर सतर्कता बरतनी होगी। कई राज्य रात्रिकालीन कर्फ्यू लगा चुके हैं, तो कई जगहों पर टीकाकरण अभियान को तेज करने के साथ दूसरे कदम उठाए जा रहे हैं। लेकिन एक कमी तमाम राज्यों में समान रूप से देखी जा सकती है, वह है लोगों के स्तर पर लापरवाही। सार्वजनिक स्थलों पर अनिवार्यत- मास्क पहनने और भीड़भाड़ से बचने की हर हिदायत जैसे हरेक जगह दम तोड़ रही है। कोविड की इस नई लहर को हल्के में लेने की कोई भी हिमाकत फिर से गंभीर मुसीबत खड़ी कर सकती है। उदाहरण हमारे सामने है। अमेरिका में पर्याप्त टीकों व तमाम सरकारी प्रयासों के बावजूद करोड़ों लोगों ने अपने नागरिक अधिकारों का हवाला देते हुए वैक्सीन लगवाने से परहेज बरता। आज आलम यह है कि नए संक्रमण के मामलों की संख्या एक दिन में 10 लाख के आंकड़े को पार कर गई है। जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी का ताजा अध्ययन बताता है कि अमेरिका में संक्रमण-दर उस सर्वोच्च शिखर को छूने लगी है, जो अप्रैल 2020 में थी। तीसरी लहर ने दुनिया भर में अस्पतालों पर दबाव बढ़ा दिया है और कई मुल्कों में तो सख्त लॉकडाउन की वापसी हो गई है। इसलिए भारत सरकार को अपनी तरफ से वे तमाम जरूरी कदम उठाने चाहिए, ताकि वह नौबत ही न आने पाए, जो कई यूरोपीय मुल्क अभी भुगत रहे हैं। महामारी के शुरुआती दिनों से डब्ल्यूएचओ लगातार आगाह करता आ रहा है कि जब तक दुनिया के हरेक मुल्क की बहुसंख्य आबादी का टीकाकरण नहीं होगा, इस वायरस के नए-नए वेरिएंट मानवता को घाव देते रहेंगे। ओमीक्रोन की संक्रामकता से दुनिया अभी जूझ ही रही है कि अब फ्रांस से एक और नए शक्तिशाली वेरिएंट के पैदा होने की खबरें आ रही हैं। इसलिए यह बहुत जरूरी है कि केंद्र सरकार खास तौर से अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर जांच की अचूक व्यवस्था सुनिश्चित करे। भारत में करोड़ों लोग अभी टीकाकरण के सुरक्षा दायरे के बाहर हैं। ऐसे में, उनके लिए तीसरी लहर में कहीं अधिक जोखिम है। सुखद बात यह है कि अब न तो टीकों की कमी है और न ही जांच की। इसलिए स्थानीय प्रशासन की सक्रिय भागीदारी से विशेषकर उन राज्यों में टीकाकरण को गति देने की जरूरत है, जो इसमें पिछड़े हुए हैं। जिस तरह से उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर में चुनावी रैलियों में हुजूम उमड़ रहा है, वह बेहद जोखिम भरा साबित हो सकता है। चुनाव आयोग को इसका फौरन संज्ञान लेना चाहिए, क्योंकि देश न तो अब दूसरी लहर की तरह गंगा में लाशों को तैरते देखना चाहेगा और न ही अपनी अर्थव्यवस्था को ऐतिहासिक गर्त में लोटते हुए।

आज के कार्टून

शाकाहार

आचार्य रजनीश ओशो/ आदमी को, स्वाभाविक रूप से, एक शाकाहारी होना चाहिए क्योंकि पूरा शरीर शाकाहारी भोजन के लिए बना है। वैज्ञानिक इस तथ्य को मानते हैं कि मानव शरीर का संपूर्ण ढांचा दिखाता है कि आदमी गैर-शाकाहारी नहीं होना चाहिए। आदमी बंदरों से आया है। बंदर शाकाहारी हैं, पूर्ण शाकाहारी। अगर डार्विन सही है तो आदमी को शाकाहारी होना चाहिए। जरा देखो, क्या होता है जब तुम मांस खाते हो- जब तुम एक पशु को मारते हो, क्या होता है पशु को, जब वह मारा जाता है? बेशक, कोई भी मारा जाना नहीं चाहता। जीवन स्वयं को लंबाना चाहता है, पशु स्वेच्छा से नहीं मर रहा है। अगर कोई तुम्हें मारता है, तुम स्वेच्छा से नहीं मरोगे। अगर एक शेर तुम पर कूदता है और तुमको मारता है, तुम्हारे मन पर क्या बीतेगी? वही होता है जब तुम एक शेर को मारते हो। वेदना, भय, मृत्यु, पीड़ा, चिंता, क्रोध, हिंसा, उदासी ये सब चीजें पशु को होती हैं। उसके पूरे शरीर पर हिंसा, वेदना, पीड़ा फैल जाती है। पूरा शरीर विष से भर जाता है, जहर से। शरीर की सब ग्रंथियां जहर छोड़ती हैं क्योंकि जानवर न चाहते हुए भी मर रहा है। और फिर तुम मांस खाते हो, वह मांस सारा विष वहन करता है जो पशु द्वारा छोड़ा गया है। पूरी ऊर्जा जहरीली है। फिर वे जहर तुम्हारे शरीर में चले जाते हैं। वह मांस जो तुम खा रहे हो एक पशु के शरीर से संबंधित था। उसका वहां एक विशेष उद्देश्य था। चेतना का एक विशिष्ट प्रकार पशु-शरीर में बसता था। तुम जानवरों की चेतना की तुलना में एक उच्च स्तर पर हो, और जब तुम पशु का मांस खाते हो, तुम्हारा शरीर सबसे निम्न स्तर को चला जाता है, जानवर के निचले स्तर को। तब तुम्हारी चेतना और तुम्हारे शरीर के बीच एक अंतर मौजूद होता है, और एक तनाव पैदा होता है और चिंता पैदा होती है। हो सकता है तुम अवगत नहीं हो- भोजन पर दुनिया में अनुसंधान चलता रहता है, और वे कहते हैं कि अगर तुम्हारी नाक पूरी तरह से बंद कर दी जाए, और तुम्हारी आंखें बंद हों, और फिर तुम्हें खाने के लिए एक प्याज दिया जाए, तुम नहीं बता सकते कि तुम क्या खा रहे हो। अब वे जानते हैं कि- आइसक्रीम पौष्टिक है या नहीं, यह बात नहीं है। उसमें स्वाद हो सकता है, कुछ रसायन हो सकते हैं जो जीभ को परितृप्त भले ही करें मगर शरीर के लिए आवश्यक नहीं होते। आदमी उलझन में है, भैंसों से भी अधिक उलझन में। तुम भैंसों को आइसक्रीम खाने के लिए राजी नहीं कर सकते। कोशिश करो!

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खेल दृष्टि

– सियाराम पांडेय 'शांत'

नववर्ष के दूसरे दिन ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेरठ में मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय का शिलान्यास किया। खिलाड़ियों के लिए नए साल का इससे बेहतरीन और नायाब तोहफा भला और क्या हो सकता है? 91 एकड़ भूमि में 700 करोड़ की लागत से बनने वाले इस विश्वविद्यालय से न केवल देश को नई खेल प्रतिभाएं मिलेंगी बल्कि देश-दुनिया में मेरठ और उत्तर प्रदेश का नाम रौशन होगा। इससे उत्तर प्रदेश में खेल संस्कृति तो विकसित होगी ही, खेलों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। युवाओं की खेल प्रतिभा में निखार आएगा। खेल के अतिरिक्त कार्यक्रम बढ़ेंगे तो हर विधा के खिलाड़ी निकलेंगे। इससे देश में रोजी-रोजगार बढ़ेंगे और युवा वर्ग सकारात्मक रूप से राष्ट्रीय विकास की मुख्यधारा में शामिल होगा। इसमें कहीं कोई संदेह नहीं है। इस यूनिवर्सिटी में हर साल 540 पुरुष और उतनी ही महिला खिलाड़ी खेल की विभिन्न विधाओं में प्रशिक्षित हो सकेंगी। मतलब लैंगिक समानता का इससे बेहतर उदाहरण दूसरा कोई नहीं हो सकता। खेल में भी पीएचडी की सुविधा होगी। अधिकांश पारंपरिक भारतीय खेल जब विश्वविद्यालयीय पाठ्यक्रम का हिस्सा बनेंगे तो विश्व मंच पर भारतीय खेलों का प्रदर्शन किस स्तर का होगा, इसकी कल्पना मात्र से रोमांच हो उठता है। गत वर्ष हमारे खिलाड़ियों ने टोक्यो ओलंपिक में एक स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य पदक जीतकर देश का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया था लेकिन इतना भर हमारे लिए संतोषजनक नहीं था। पदक के मामले हम अमेरिका, चीन, रूस, जापान जैसे बड़े देशों ही नहीं, छोटे-छोटे देशों से भी पिछड़ गए थे। प्रधानमंत्री इस पीड़ा को बेहतर समझते हैं। यही वजह है कि उन्होंने देश में खेलो इंडिया अभियान शुरू कर रखा है। सभी सांसदों से उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र में खेलों का आयोजन करने को कहा है ताकि युवाओं को खेल के प्रति उत्साहित किया जा सके। उनकी प्रतिभा को निखारा जा सके। खेल विश्वविद्यालय के शिलान्यास क्रम को कुछ लोग सियासी चश्मे से देख सकते हैं, उसे उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव जीतने का तिकड़म करार दे सकते हैं लेकिन जब हम ओलंपिक की पदक तालिका में भारत का नाम निचले पायदान पर देखते हैं तो क्या यह इतनी बड़ी आबादी के लिए आत्ममंथन का सबब नहीं बनता। सोच ईमानदार हो तो काम भी दमदार होता है। मेजर ध्यानचंद को बहुत पहले सम्मान मिलना चाहिए था और वे उसके हकदार भी थे। माना कि वे गुलाम भारत के खिलाड़ी थे लेकिन आजादी के 7 दशक बाद तक भारतीय राजनीति ने इस होनहार खिलाड़ी को सम्मान देना मुनासिब नहीं समझा। जब ओलम्पिक में भारत की पूछ नहीं थी तब उन्होंने भारत के लिए ओलम्पिक पदक जीता था। 1928 में एम्सटर्डम, 1932 में लांस एंजेलिस और 1936 में बर्लिन ओलम्पिक में इस हाकी के जादूगर ने स्वर्ण पदक जीता था। जिसके खेल का दीवाना हिटलर भी हुआ करता था, वह अपने ही देश में बेगाना कैसे हो गया, इस पर गहन आत्ममंथन किए जाने की जरूरत है। यह सच है कि मेजर ध्यानचंद से बड़े कद का खिलाड़ी भारतीय भूभाग पर दूसरा कोई नहीं है। इसके बाद भी इतने लंबे समय तक भारत में उनकी घोर उपेक्षा का कोई ठोस कारण समझ में नहीं आता। जिस देश में कॉमनवेल्थ गेम्स के आयोजन तक में करोड़ों-अरबों का वारा-न्यारा हो जाता हो, वहां खिलाड़ियों के हित और सम्मान की चिंता कौन करेगा? इसमें संदेह नहीं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक तीर से कई निशाने करते हैं। वे अपनी हर सभा से एक संदेश देते हैं। मुद्दा सेट करते हैं। उनकी मेरठ यात्रा भी इसकी अपवाद नहीं है। अमर शहीद मंगल पांडेय की प्रतिमा पर फूल चढ़ाकर, पलटन देवी मंदिर में पूजा-अर्चना कर उन्होंने जहां सैनिकों का दिल जीता, वहीं ब्राह्मण समाज को भी इसी बहाने साधने का काम किया। चौधरी चरण सिंह को याद कर, उनकी प्रशंसा कर जयंत-अखिलेश की सियासी जोड़ी की जड़ में सियासी मट्ठा भी डाला। चरण सिंह के समर्थकों को यह संदेश दिया कि उनके नेता को प्रधानमंत्री कितना आदर देते हैं। इसमें संदेह नहीं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का खेल के प्रति अनुराग जगजाहिर है। खिलाड़ियों से मिलकर उन्हें और बेहतर खेलने के लिए प्रोत्साहित करने का काम वे करते ही रहते हैं लेकिन उन्हें पता है कि प्रशिक्षण का काम प्रशिक्षण से ही चलता है। पदक जीतकर खिलाड़ी अधिकारी तो बन जाते हैं लेकिन शैक्षणिक अनुभव के अभाव में वे वहां हीनता ग्रंथि के शिकार होते हैं। इसलिए भी खेल विश्वविद्यालय जरूरी है और कहना न होगा कि प्रधानमंत्री ने मणिपुर के बाद दूसरा खेल विश्वविद्यालय मेरठ को दिया है। इसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए, कम है। वैसे देखा जाए तो खेल जीवन का सहज स्वभाव है। जीवन भी एक नाटक है। जिसमें हर व्यक्ति अपने हिस्से का किरदार निभा रहा है। जीव जगत ही नहीं, प्रकृति भी अपना रोल अदा कर रही है। संस्कृति में अभिनय को क्रीड़ा कहा गया है। अंग्रेजी में नाटक प्ले होता है। इस असार संसार में सब खेल रहे हैं। दिक्कत तो तब होती है जब खेल में खेल होने लगता है। खेल में खेल भी अगर अनुशासित हो और समत्व बुद्धि के साथ किया जाए जिसमें मनोरंजन और कौतुक का भाव तो हो लेकिन स्वार्थ, भ्रष्टाचार और वैयक्तिकता न हो तो वह लोकमंगल का हेतु बनता है। खेल सामूहिक ही अच्छा लगता है लेकिन समूह में खेलते हुए भी अपने हिस्से का प्रदर्शन तो अकेले ही करना पड़ता है। इस बात को जितनी जल्दी समझ लिया जाए, उतना ही अच्छा होगा। वह राजनीति ही क्या जिसमें पक्ष और विपक्ष का खेल न हो लेकिन उसमें लोकमंगल का भाव भी होना चाहिए। पक्ष और विपक्ष के अच्छे कामों को सराहने का साहस भी होना चाहिए। यही स्वस्थ लोकतंत्र का वास्तविक अभीष्ट भी है।

(लेखक हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

बिटकॉइन की चुनौती और डिजिटल करेंसी

भरत झुनझुनवाला

भारतीय रिजर्व बैंक डिजिटल करेंसी जारी करने पर विचार कर रहा है। डिजिटल करेंसी हमारे नोट की तरह ही होती है। अंतर यह होता है कि यह कागज पर छपा नोट नहीं होता है बल्कि यह एक नंबर मात्र होता है जिसे आप अपने मोबाइल अथवा कम्प्यूटर पर संभाल कर रख सकते हैं। उस नंबर को किसी के साथ साझा करते ही उस नंबर में निहित रकम सहज ही दूसरे व्यक्ति के पास पहुंच जाती है। जैसे आप अपनी जेब से नोट निकाल कर दूसरे को देते हैं उसी प्रकार आप अपने मोबाइल से एक नंबर निकाल कर दूसरे को दे कर अपना पेमेंट कर सकते हैं। डिजिटल करेंसी के पीछे क्रिप्टो करेंसी का जोर है। क्रिप्टो करेंसी का इजाद बैंकों के नियंत्रण से बाहर एक मुद्रा बनाने की चाहत को लेकर हुआ था। कुछ कंप्यूटर इंजीनियरों ने मिलकर एक कठिन पहेली बनाई और उस पहेली को उनमें से जिसने पहले हल कर लिया उसे इनाम स्वरूप एक क्रिप्टो करेंसी अथवा बिटकॉइन या एथेरियम दे दिया। उस बिटकॉइन के निर्माण का खेलने वाले सभी ने अनुमोदन कर दिया कि यह नंबर फलां व्यक्ति को दिया जाएगा। इसी प्रकार नये बिटकॉइन बनते गए और इनका बाजार में प्रचलन होने लगा। क्रिप्टो करेंसी केंद्रीय बैंकों के नियंत्रण से पूर्णतया बाहर है। जैसे यदि गांव के लोग आपस में मिलकर एक अपनी करेंसी बना लें तो उस पर सरकार का नियंत्रण नहीं रहता है। वे आपस में पर्चे छाप कर एक-दूसरे से लेनदेन कर सकते हैं जैसे बच्चे आपस में कंचे के माध्यम से लेनदेन करते हैं। क्रिप्टो करेंसी का नाम 'इंक्रिप्टेड' से बनता है। जिस कम्प्यूटर में यह करेंसी रखी हुई है अथवा जो उस कम्प्यूटर का मालिक है उसका नाम इंक्रिप्टेड या गुप्त है। किसी को पता नहीं लग सकता है कि वह करेंसी किसके पास है। इस करेंसी को बनाने का उद्देश्य था कि सरकारी बैंकों द्वारा कभी-कभी अधिक मात्रा में नोट छाप कर बाजार में डाल दिए जाते हैं जिससे महंगाई बहुत तेजी से बढ़ती है। लोगों की सालों की गाढ़ी कमाई कुछ ही समय में शून्यप्राय- हो जाती है। जैसे यदि आप 100 रुपए के नोट से वर्तमान में 5 किलो गेहूं खरीद सकते हैं। महंगाई तेजी से बढ़ने के बाद उसी 100 रुपये के नोट से आप केवल 1 किलो गेहूं खरीद पायेंगे। ऐसी स्थिति वर्तमान में ईरान और वेनेजुएला जैसे देशों में है। इस प्रकार की स्थिति से बचने के लिए इन इंजीनियरों ने क्रिप्टो करेंसी का आविष्कार किया, जिससे कि बैंकों द्वारा नोट अधिक छापे जाने से उनकी क्रिप्टो करेंसी की कीमत पर कोई प्रभाव नहीं पड़े। केंद्रीय बैंकों द्वारा क्रिप्टो करेंसी का विरोध तीन कारणों से किया जा रहा है। पहला यह कि अर्थव्यवस्था केंद्रीय बैंक के नियंत्रण से बाहर निकलने को हो जाती है। जैसे यदि देश में महंगाई अधिक हो रही है और रिजर्व बैंक ने मुद्रा के प्रचलन को कम किया तो क्रिप्टो करेंसी का चलन बढ़ सकता है और सरकार की नीति फेल हो सकती है। दूसरा विरोध यह है कि क्रिप्टो करेंसी फेल हो सकती हैं। जैसे यदि कम्प्यूटर का नंबर हैक हो जाये अथवा क्रिप्टो करेंसी बहुत बड़ी संख्या में बनाई जाने लगे तो आज जिस बिटकॉइन को आप ने एक लाख रुपये में खरीदा है, वह कल पांच हजार रुपये का हो सकता है। तीसरा विरोध यह कि क्रिप्टो करेंसी का उपयोग आपराधिक गतिविधियों को सपोर्ट करने के लिए किया जा सकता है। बीते समय में अमेरिका की एक तेल कंपनी के कम्प्यूटरों को अपराधियों ने हैक कर लिया। उन कम्प्यूटरों को वापस ठीक करने के लिए कंपनी से भारी मात्रा में रकम क्रिप्टो करेंसी के माध्यम से वसूल कर ली। यद्यपि उसमें से कुछ रकम को पुलिस वापस वसूल कर सकी लेकिन बड़ी रकम आज भी वसूल नहीं हो सकी है। इसलिए अपराधियों के लिए क्रिप्टो करेंसी सुलभ हो जाती है क्योंकि वह अपनी आपराधिक गतिविधियों से अर्जित गैर-कानूनी आय को सरकारी नज़र की पहुंच के बाहर रख सकते हैं। इसलिए यदि केंद्रीय बैंक जिम्मेदार है और अर्थव्यवस्था सही चल रही है तो क्रिप्टो करेंसी उसे अस्थिर बना सकती है। दूसरी तरफ यदि बैंक गैर-जिम्मेदार है, जैसे महंगाई बेतहाशा बढ़ रही है तो क्रिप्टो करेंसी लाभप्रद हो जाती है। उस परिस्थिति में व्यापार करना कठिन हो जाता है। आज आपने किसी व्यापारी से एक बोरी गेहूं का सौदा 1,000 रुपये में किया। कल उस 1,000 रुपये की कीमत आधी रह गयी। बेचने वाले ने सौदे से इनकार कर दिया। आप यह सौदा क्रिप्टो करेंसी में करते तो यह कठिनाई नहीं आती। अत: यदि केंद्रीय बैंक द्वारा बनाई गई मुद्रा अस्थिर हो तो क्रिप्टो करेंसी के माध्यम से व्यापार सुचारु रूप से चल सकता है। यदि वेनेजुएला की मुद्रा का मूल्य तेजी से गिर रहा है तो वहां के व्यापारी क्रिप्टो करेंसी के माध्यम से आपस में व्यापार कर सकते हैं और इस समस्या से बच सकते हैं। मूल बात यह है कि यदि केंद्रीय बैंक जिम्मेदार है तो क्रिप्टो करेंसी अस्थिरता पैदा करती है लेकिन यदि केंद्रीय बैंक गैर-जिम्मेदार है तो क्रिप्टो करेंसी लाभप्रद हो सकती है। इस स्थिति में कई केंद्रीय बैंकों ने डिजिटल करेंसी जारी करने का मन बनाया है। डिजिटल करेंसी और क्रिप्टो करेंसी में समानता यह है कि दोनों एक नंबर होते हैं जो आपके मोबाइल में रखे जा सकते हैं। लेकिन क्रिप्टो करेंसी की तरह डिजिटल करेंसी गुमनाम नहीं होती है। रिजर्व बैंक द्वारा इसे उसी तरह जारी किया जाएगा जैसे नोट छापे जाते हैं। रिजर्व बैंक जान सकती है कि वह रकम किस मोबाइल में रखी हुई है। इसलिए डिजिटल करेंसी केंद्रीय बैंक के गैर जिम्मेदाराना व्यवहार से हमारी रक्षा नहीं करती है। नोट छापने की तरह केंद्रीय बैंक डिजिटल करेंसी भी भारी मात्रा में जारी करके महंगाई पैदा कर सकती है। लेकिन फिरभी मुद्रा को सुरक्षित रखने में डिजिटल करेंसी मदद करती है क्योंकि आपको नोटों को आग, पानी और चोरों से बचाना नहीं है। यदि कभी आप अपनी करेंसी का नंबर भूल जायें अथवा आपका मोबाइल चोरी हो जाये तो आपकी पहचान करके उसे वापस प्राप्त करने की व्यवस्था की जा सकती है।

सू-दोकू नवताल -2011

	4	8						
	6			4	9			7
2		9	5	3		6		
	3	2	9				7	
6			7		4			3
	1				2	4	5	
		3		7	5	8		2
8			1	6			9	
						3	4	

सू-दोकू -2010 का हल

8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 x 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2011

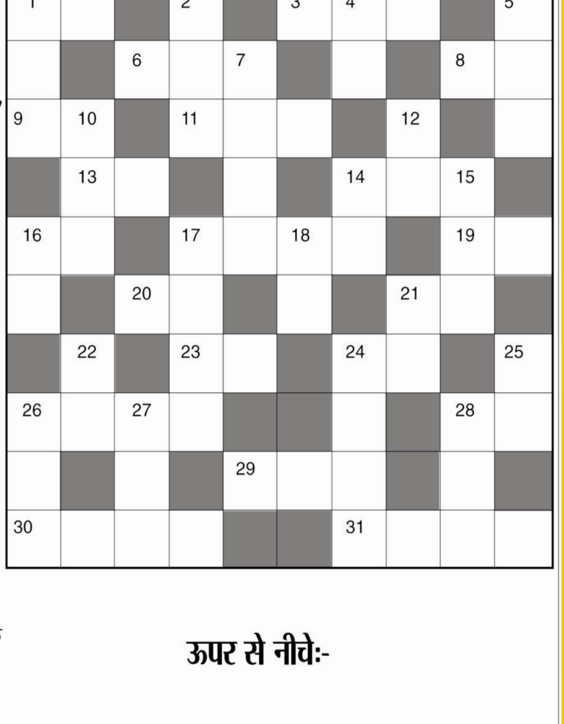

बायें से दायें:-

1. ऋषि कपूर, डिंपल कपाड़िया की 'झूठ बोले कौआ काटे' गीत वाली फिल्म-2
3. 'तुम रूठ के मत जाना' गीत वाली भारत भूषण, मधुबाला अभिनीत फिल्म-3
6. अनिल, माधुरी की 'कह दो कि तुम' गीत वाली फिल्म-3
8. 'कहां गए ममता भरे दिन' गीत वाली सुनील शेट्टी, रंभा की फिल्म-2
9. बी.आर. चोपड़ा की बहु सितारा फिल्म 'वक्त' के संगीत निर्देशक कौन थे-2
11. नायक अनिलकपूर की पहली फिल्म-3
13. राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला की 'मेरे दिल में आज क्या है' गीत वाली फिल्म-2
14. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली फिल्म-3
16. सुनील शेट्टी, पूजा बत्रा की फिल्म-2
17. 'नाजुक सी कली थी' गीत वाली अजय देवगन, मनीषा, अविनाश वधावन, करिश्मा की फिल्म-4
19. 'हम तो तंबू में बंबू' गीत वाली फिल्म-2
20. 'समय तू जल्दी जल्दी चल' गीत वाली राजेश खन्ना, शबाना, विद्या सिन्हा की फिल्म-2
21. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली फिल्म-2
23. फिल्म 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था ?-2
24. विकास भल्ला, सुमित सहगल, नीलम की फिल्म-2
26. 'बाबूजी धीरे चलना' गीत वाली गुरु दत्त, शकीला, श्यामा की फिल्म-2,2
28. आफताब, उर्मिला की 'रुकी- रुकी सी जिंदगी' गीत वाली फिल्म-2
29. सुनील दत्त, आशापारेख की फिल्म-3
30. 'चोरी चोरी ओ गोरी' गीत वाली फिल्म-4
31. फिल्म 'डोली सजा के रखना' के संगीत निर्देशक कौन हैं ?-4

ऊपर से नीचे:-

1. जे. पी. दत्ता की 'ऐ जाते हुए लम्हों' गीत वाली एक मल्टी स्टार फिल्म-3
2. फारुख शेख, नसीरुद्दीन, स्मिता की फिल्म-3
4. 'इतनी शक्तिहमें देना दाता' गीत वाली जया भादुड़ी की पहली फिल्म-2
5. सुनील दत्त, वैजयंती माला की 'औरत ने जनम दिया मर्दों को' गीत वाली फिल्म-3
7. संजीव कुमार, तनूजा की 'आया रे खिलौने वाला' गीत वाली फिल्म-4
10. 'कभी खोले ना तिजोरी का ताला' गीत वाली जीतेंद्र, लीना चंदावरकर की फिल्म-3
12. रामगोपाल वर्मा की मनोज वाजपेयी, उर्मिला की जोड़ी वाली एक सस्पेंस फिल्म-2
14. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की 'मेरे सीने में तेरा दिल धड़के' गीतवाली फिल्म-2
15. धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन अभिनीत फिल्म-3
16. बलराज साहनी, पंढरी बाई, नंदा की 'टाई लगा के बन गए जनाब हीरो हीरो' गीतवाली फिल्म-2
17. धर्मेन्द्र, जीतेंद्र, हेमा, जीनत की फिल्म-4
18. फिल्म 'एक दूजे के लिये' में कमल हासन के किरदार का नाम क्या था ?-2
21. अमजद खान, विनोद मेहरा, बिंदिया गोस्वामी की 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली फिल्म-2
22. 'मैं नये जमाने की लैला' गीत वाली अजय देवगन, रवीना टंडन की फिल्म-2
24. अमिताभ बच्चन, नूतन, पद्मा खन्ना की 'तेरा मेरा साथ रहे ' गीत वाली फिल्म-4
25. 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-2
26. राज कपूर, नर्गिस की 'आ जाओ तड़पते हैं अरमां' गीत वाली फिल्म-3
27. 'चलो दिलदार चलो' गीत वाली फिल्म-3
28. फिल्म 'ये तेरा घर ये मेरा घर' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन है ?-3

फिल्म वर्ग पहेली-2010

रुपया बढ़त के साथ 74.35 पर पहुंचा

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपये में तेजी आई है। विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में बुधवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया 23 पैसे की बढ़त दिखाते हुए 74.35 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 74.54 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह 74.30 के उच्च स्तर और बाद में 74.55 के निचले स्तर तक गया। अंत में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले यह 23 पैसे ऊपर आकर 74.35 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में रुपया 30 पैसे फिसलकर 74.58 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह मुद्राओं की तुलना में डॉलर का रुख दिखाने वाला सूचकांक 0.12 फीसदी नीचे आकर 96.14 रह गया।

गुड क्रिएटर कंपनी में 200 करोड़ रुपये की प्रारंभिक पूंजी का निवेश

नई दिल्ली। गुड क्रिएटर कंपनी में 200 करोड़ रुपये की प्रारंभिक पूंजी का निवेश हुआ है। इन्फ्लुएंसर प्रबंधन, विपणन और विश्लेषणात्मक मंच प्लिक्सो, मिसमालिनी, विंकल और विडोली गुड क्रिएटर कंपनी के रूप में एक साथ आए हैं। बयान के अनुसार प्लिक्सो, मिसमालिनी, विंकल और विडोली ने गुड ग्लैम ग्रुप से अलग होकर गुड क्रिएटर कंपनी का गठन किया था। बयान में कहा गया कि गुड ग्लैम ग्रुप ने गुड क्रिएटर कंपनी में 200 करोड़ रुपये का प्रारंभिक पूंजी निवेश किया है। घोषणा के साथ गुड ग्लैम ग्रुप द्वारा विंकल और विदोली के अधिग्रहण का भी खुलासा हो गया है।

ह्यूजेज कम्युनिकेशंस इंडिया और एयरटेल ने संयुक्त उपक्रम की घोषणा की

नई दिल्ली । ह्यूजेज कम्युनिकेशंस इंडिया और एयरटेल ने भारत में उपग्रह ब्रॉडबैंड सेवा प्रदान करने के लिए संयुक्त उपक्रम की घोषणा की। इस उपक्रम (एचसीआईपीएल) के माध्यम से दोनों कंपनियों के वीसैट कारोबार को साथ लाया और उपग्रह कनेक्टिवटी के द्वारा प्राथमिक परिवहन, बैकअप और हाइब्रिड क्रियान्वयन संबंधी उद्यम नेटवर्किंग समाधान की पेशकश की जाएगी। एचसीआईपीएल के प्रेसिडेंट एवं प्रबंध निदेशक पार्थो बनर्जी ने कहा, साझेदारी में, ह्यूजेस और एयरटेल की क्षमताओं के मेल का लाभ भारत के ग्राहकों को मिलेगा।समझौते की घोषणा मई 2019 में की गई थी। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) और टेलीकॉम विभाग की मंजूरी मिलने के बाद संयुक्त उपक्रम का गठन हुआ। एयरटेल बिजनेस के निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कहा, एयरटेल और ह्यूजेस की संयुक्त क्षमताओं के साथ ग्राहकों की पहुंच अगली पीढ़ी की उपग्रह कनेक्टिविटी से होगी।

भारत में उपग्रह ब्रॉडबेंड सेवा देने ह्यूजेस और एयरटेल ने की साझेदारी

नई दिल्ली। भार में उपग्रह ब्रॉडबेंड सेवा प्रदान करने के लिए ह्यूजेस नेटवर्क सिस्टम्स की अनुषंगी ह्यूजेज कम्युनिकेशंस इंडिया और भारती एयरटेल ने संयुक्त उपक्रम की बुधवार को घोषणा की। एक बयान के मुताबिक इस उपक्रम (एचसीआईपीएल) के माध्यम से दोनों कंपनियों के वीसैट कारोबार को साथ लाया जाएगा और उपग्रह कनेक्टिवटी के जरिए प्राथमिक परिवहन, बैकअप और हाइब्रिड क्रियान्वयन संबंधी उद्यम नेटवर्किंग समाधान की पेशकश की जाएगी। एचसीआईपीएल के प्रेसिडेंट एवं प्रबंध निदेशक पार्थो बनर्जी ने कहा` कि इस साझेदारी में ह्यूजेस और एयरटेल की क्षमताओं के मेल का लाभ भारत के ग्राहकों को मिलेगा। इस समझौते की घोषणा मई 2019 में की गई थी। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) और टेलीकॉम विभाग की मंजूरी मिलने के बाद संयुक्त उपक्रम का गठन किया गया।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स फिर 60,000 से पार पहुंचा

मुम्बई (एजेंसी)।

मुम्बई शेयर बाजार में बुधवार को भी तेजी रही। इस साल की शुरुआत से जो तेजी है वह तीसरे कारोबारी दिन भी बनी रही। बाजार में यह उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही भारी खरीददारी के कारण आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 367.22 अंकों की तेजी के साथ ही 60,223.15 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 120 अंकों की बढ़त के साथ ही 17,925.25 पर बंद हुआ जबकि बैंक निफ्टी में आज भारी तेजी देखी गयी और यह 855.75 अंक बढ़कर 37,695.90 पर बंद हुआ। पिछले 4 सत्र के अंदर ही निफ्टी में 720 अंकों का उछाल आया है और यह 2300 अंक बढ़ा है।

आज कारोबार के दौरान आईटी, मीडिया और फार्मा को छोड़कर सभी सेक्टोरल इंडेक्स लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। निफ्टी के आईटी इंडेक्स में मुनाफा वसूली के चलते करीब 2 फीसदी की गिरावट आई। वहीं, निफ्टी फार्मा भी 0.3 फीसदी नीचे बंद हुआ है। इनके अलावा निफ्टी ऑटो 1.05 फीसदी, मेटल इंडेक्स 1.4 फीसदी तेजी के साथ बंद हुआ है।बैंकिंग शेयरों में एक बार फिर खरीदारी आती दिखी है जिसके कारण बैंक निफ्टी आज 2.32 फीसदी की बढ़त के साथ 37,695.90 के स्तर पर बंद हुआ है।

सोने, चांदी में उछाल

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

घरेलू बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में तेजी आई है। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बुधवार को सोना 154 रुपये की बढ़त के साथ 46,969 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में सोना 46,815 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था जबकि चांदी भी 352 रुपये की बढ़त के साथ ही 60,725 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 60,373 रुपये प्रति किलोग्राम पर थी। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने का भाव लाभ के साथ ही 1,816 डॉलर प्रति औंस हो गया, जबकि चांदी 22.92 डॉलर प्रति औंस पर लगभग बनी रही।

गूगल ने इजरायली साइबर स्टार्टअप सिम्प्लिफाई खरीदा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अल्फाबेट इंक के स्वामित्व वाली कंपनी गूगल ने कहा कि उसने बढ़ते साइबर हमलों के बीच अपनी सुरक्षा का विस्तार किया है। गूगल ने कहा कि उसके क्लाउड डिवीजन ने इजरायली साइबर सुरक्षा स्टार्टअप सिम्प्लिफाई को खरीद लिया है। गौरतलब है कि साइबर हमलों और डेटा उल्लंघनों में उल्लेखनीय वृद्धि के बीच गूगल ने पिछले अगस्त में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन से वादा किया था कि कंपनी अगले पांच सालों में साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में 10 बिलियन डॉलर का निवेश करेगी। दोनों में से किसी भी कंपनी ने सौदे के वित्तीय विवरण का खुलासा नहीं किया है। हालांकि, मामले से जुड़े एक सूत्र ने कहा कि गूगल ने सिम्पलीफाई के लिए नकद में 500 मिलियन डॉलर का भुगतान किया है। सह-संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अमोस स्टर्न के नेतृत्व में सिम्प्लिफाई सुरक्षा व्यवस्था, स्वचालन और प्रतिक्रिया समाधान प्रदान करती है। इसने जी 20 वेंचर्स और 83नॉर्थ सहित निवेशकों से 58 मिलियन डॉलर जुटाए थे। गौरतलब है कि 2020 में कोरोना महामारी शुरू होने के बाद से क्लाउड व्यवसाय से गूगल का राजस्व लगभग दोगुना होकर करीब 5 बिलियन डॉलर हो गया है। क्योंकि, कंपनियां घर से काम करने के लिए मजबूर हैं और बड़ी संख्या में क्लाउड का इस्तेमाल हो रहा है। ऐसे में सुरक्षा खतरों से बचाव की आवश्यकता बढ़ी है, साथ ही बड़े कॉरपोरेट्स भी साइबर सुरक्षा उत्पादों पर जोर दे रहे हैं। गूगल ने कहा कि सिम्लीफाई के प्लेटफॉर्म को उसके क्लाउड में एकीकृत किया जाएगा और यह उन क्षमताओं के आधार के रूप में काम करेगा, जिनमें वह निवेश करेगा। यह सौदा गूगल की पहली इज़राइली साइबर सुरक्षा फर्म के साथ डील है।

सबसे बड़ी बिटकॉइन ने पिछले साल 69 फीसदी रिटर्न दिया

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

दुनिया की सबसे पुरानी, सबसे लोकप्रिय और सबसे बड़ी बिटकॉइन ने पिछले साल 69 फीसदी रिटर्न दिया। अगले साल भी क्रिप्टो मार्केट में तेजी बने रहने की उम्मीद है।पिछले साल की शुरुआत में बिटकॉइन की कीमत करीब 29,000 डॉलर थी, जो अब 46,000 डॉलर के आसपास है।नवंबर की शुरुआत में इसकी कीमत 69,000 डॉलर के पार पहुंच गई थी। 13 साल पुरानी बिटकॉइन आज दुनिया की सबसे महंगी क्रिप्टोकरेंसी है।रिपोर्ट के मुताबिक इस साल इसकी कीमत 34 फीसदी ऊपर जा सकती है। लेकिन दावा है, कि इसकी कीमत 100,000 डॉलर तक पहुंच सकती है। यानी निवेशकों को अपने निवेश पर दोगुना रिटर्न मिल सकता है। दूसरी ओर सोने ने 2021 में अपने निवेशकों को निगेटिव रिटर्न दिया।साल 2020 में इसमें 30 फीसदी की तेजी आई थी, लेकिन 2021 में निवेशकों के हाथ निराशा लगी।इसकी सबसे बड़ी वजह डॉलर में तेजी रही।ऐतिहासिक रूप से जब-जब डॉलर मजबूत होता है,सोने की कीमत में गिरावट आती है। लेकिन बड़ी संख्या में निवेशक सोने को छोड़कर बिटकॉइन का रुख कर रहे हैं। आने वाले दिनों में भी ट्रेंड जारी रहने का अनुमान है। खबरों के मुताबिक दुनियाभर में डिजिटल संपत्ति का चलन बढ़ता जा रहा है। इससे आने वाले दिनों में भी गोल्ड का मार्केट शेयर घटेगा और बिटकॉइन की हिस्सेदारी बढ़ेगी। गोल्डमैन का अनुमान है, कि बिटकॉइन का फ्लोट-एडजस्टेड मार्केट कैप 700 अरब डॉलर के आसपास है, जबकि निवेश के लिए उपलब्ध सोने की कीमत 2.6 लाख करोड़ डॉलर है। बिटकॉइन की कीमत 2016 के बाद से 4700 प्रतिशत से अधिक बढ़ चुकी है।इसकारण लंबे समय तक सोने में निवेश करने वाले निवेशक भी सोने के बजाय बिटकॉइन को बेहतर विकल्प मानते हैं। आने वाले लंबे समय तक ट्रेंड के बने रहने की संभावना है, क्योंकि ज्यादा से ज्यादा इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स क्रिप्टोकरेंसीज का रुख कर रहे हैं।संपत्ति क्लास के तौर पर डिजिटल करेंसीज की लोकप्रियता लगातार बढ़ती जा रही है।जानकारों का कहना है, कि अगर निवेशक सोने से दूर होते हैं और क्रिप्टोकरेंसीज का रुख करते हैं,तब सोने के लिए चिंता की बात है। साल 2009 में जब बिटकॉइन लांच हुई थी,तब इसकी कीमत 0.060 रुपये थी। तब भारत में सोने की कीमत 14500 रुपये प्रति 10 ग्राम थी।आज बिटकॉइन की कीमत करीब 37 लाख रुपये पहुंच चुकी है जबकि सोना 48 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के आसपास मंडरा रहा है। दुनिया की पहली क्रिप्टो ने पिछले 13 साल में 1000 रुपये को 76.4 करोड़ रुपये बनाया है।

सेवा क्षेत्र की गतिविधियों पर दिखा ओमीक्रॉन का असर, दिसंबर में 3 महीने के निचले स्तर पर

नई दिल्ली (एजेंसी):

कोरोना के नए वैरिएंट ओमीक्रॉन का प्रकोप दुनिया भर में बढ़ता जा रहा है। भारत समेत कई देशों में सरकारें फिर से प्रतिबंध लागू करने की तैयारी कर रही हैं। इसका असर सेवा क्षेत्र की गतिविधियों पर भी पड़ा है और ये दिसंबर में तीन महीने के निचले स्तर तक पहुंच गईं। मासिक सर्वे में बुधवार को कहा गया कि व्यावसायिक गतिविधियों और बिक्री में धीमी गति से वृद्धि तथा कोरोना वायरस की नई लहर की आशंका से व्यापारिक धारणाएं प्रभावित हुई हैं। इसके कारण सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में नरमी आई है। मौसमी रूप से समायोजित किया जाने वाला इंडिया सर्विसेज बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स नवंबर में 58.1 पर था, जो दिसंबर में 55.5 के तीन महीने के निचले स्तर पर पहुंच गया है। सर्वेक्षण के अनुसार लगातार पांचवें महीने सेवा क्षेत्र में उत्पादन में वृद्धि देखी गई। परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) की भाषा में, 50 से ऊपर के अंक का मतलब विस्तार होता है जबकि 50 से नीचे का अंक संकुचन को दर्शाता है। आईएचएस मार्किट में सहायक निदेशक-अर्थशास्त्र पोलिएन्ना डि लीमा ने कहा, ''सेवा प्रदाताओं के लिए 2021 एक और कठिन वर्ष था और दिसंबर में इसमें थोड़ी और नरमी दर्ज की गई।%% इसके अलावा सेवा और विनिर्माण क्षेत्र का सामूहिक उत्पादन या सामूहिक पीएमआई उत्पादन सूचकांक दिसंबर में घटकर 56.4 हो गया, जो नवंबर में 59.2 था। हालांकि यह इसके दीर्घकालिक औसत 53.9 से अब भी अधिक है। सर्वेक्षण के दिसंबर के आंकड़ों में माल उत्पादकों और सेवा प्रदाताओं के रोजगार में बड़ी गिरावट देखी गई। समग्र स्तर पर चार महीने में पहली बार नौकरियों में कमी आई है।

शाओमी इंडिया पर 653 करोड़ रुपए की कस्टम ड्यूरी चोरी का आरोप, कारण बताओ नोटिस जारी

बिजनेस डेस्क: मी और रेडमी ब्रांड से स्मार्टफोन और अन्य आईटी उत्पाद बनाने वाली प्रमुख कंपनी शाओमी टेक्नॉलाजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (शाओमी इंडिया) को सरकार ने 653 करोड़ रुपए की सीमा शुल्क चोरी को लेकर कारण बताओ नोटिस जारी कर यह राशि वसूली की प्रक्रिया शुरू की है। वित्त मंत्रालय ने आज एक बयान में कहा कि शाओमी इंडिया द्वारा सीमा शुल्क चोरी की खुफिया जानकारी मिलने के बाद राजस्व सतकर्ता निदेशालय ने इसकी जांच शुरू की। शाओमी इंडिया और उसके ठेका विनिर्माताओं की जांच की गई। इस दौरान शोओमी इंडिया के परिसरों पर निदेशालय ने छापेमारी भी की और इस संबंध में साक्ष्य भी जुटाये गये जिसमें अमेरिकी कंपनी क्वॉलकॉम और चीन की बीजिंग शाओमी मोबाइल सॉफ्टवेयर कंपनी लिमिटेड को रॉयल्टी और लाइसेंस शुल्क आदि भुगतान किए जाने की जानकारी मिली। इस दौरान शाओमी इंडिया के प्रमुख लोगों और उसके ठेका विनिर्माताओं के बयान भी लिए गए जिसमें शाओमी इंडिया के एक निदेशक ने रॉयल्टी और लाइसेंस शुल्क आदि के भुगतान किए जाने की बात की भी पुष्टि की। जांच के दौरान यह पता चला कि क्वॉलकॉम और चीन की बीजिंग शाओमी मोबाइल सॉफ्टवेयर को चुकाए गए रॉयल्टी और लाइसेंस शुल्क को शाओमी इंडिया और उसके ठेका विनिर्माताओं द्वारा आयात किए गए वस्तुओं के लेनदेन में नहीं जोड़ा गया। निदेशालय को यह भी पता चला कि शाओमी इंडिया मी ब्रांड के मोबाइल फोन की बिक्री भी करती है जिस आयात शाओमी इंडिया करती है या उसके ठेका विनिर्माता आयातित उपकरणों आदि को यहां असेबंल करते हैं। ठेका विनिर्माताओं द्वारा निर्मित मी ब्रांड के फोन को सिर्फ शाओमी इंडिया को ही बेचा जाता है जैसा उनके ठेका अनुबंध में है।

अमेजन के अधिकारियों की मौजूदगी पर जोर नहीं देंगे: प्रवर्तन निदेशालय

नई दिल्ली (एजेंसी):

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को दिल्ली उच्च न्यायालय में कहा कि वह कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए फेमा कानून के उल्लंघन के आरोप में अमेजन की अनुषंगी कंपनी के खिलाफ जारी जांच में संबंधित लोगों की व्यक्तिगत मौजूदगी पर जोर नहीं देगा। जांच एजेंसी की तरफ से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू ने न्यायालय में अमेजन की तरफ से दायर याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान यह आश्वासन दिया। उन्होंने कहा, ''कोविड-19 की स्थिति को देखते हुए हम भौतिक उपस्थिति पर जोर नहीं देंगे।%% इस पर न्यायाधीश रेखा पल्ली ने कहा कि ईडी के अधिकारी अगर चाहें तो वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से अमेजन के अधिकारियों से कोई जानकारी मांग सकते हैं। इस मामले की अगली सुनवाई अब 12 जनवरी को होगी। अमेजन की अनुषंगी कंपनी अमेजन होलसेल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने इस याचिका में प्रवर्तन निदेशालय के जांच के दायरे को चुनौती दी है। उसका कहना है कि फ्यूचर समूह के साथ जारी अमेजन के विवाद में 'मध्यस्थता' के बारे में जानकारी मांगने का एजेंसी को अधिकार नहीं है। एजेंसी अमेजन होलसेल के खिलाफ विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के कथित उल्लंघन की जांच कर रही है। इस सिलसिले में उसने अमेजन के कुछ अधिकारियों से भी पूछताछ करने के लिए समन भेजा था।

एयरटेल पेमेंट्स बैंक को अनुसूचित बैंक का दर्जा

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

एयरटेल पेमेंट्स बैंक को भारतीय रिजर्व बैंक ने अनुसूचित बैंक की सूची में स्थान दिया है। एयरटेल पेमेंट्स बैंक के अनुसार अनुसूचित बैंक का दर्जा मिलने के बाद अब यह बैंक सरकार की ओर से जारी किए जाने वाले प्रस्ताव के लिए आवेदनों (आएएफपी) तथा प्रतिभूतियों की प्राथमिक नीलामी में भाग लेने के साथ-साथ केंद्र और राज्य सरकारों के काम करने का पात्र हो गया है। बैंक सरकार द्वारा परिचालित कल्याण योजनाओं के कम भी सकता है। एयरटेल पेमेंट्स बैंक के एक अधिकारी ने कहा ` कि बैंक के लिए यह मान्यता मिलना हमारी विस्तार यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। इससे हम पर हमारे ग्राहकों का भरोसा और अधिक मजबूत होगा। बैंक इस समय भारत में डिजिटल बैंकिंग के क्षेत्र में सबसे तेजी से विस्तार कर रहे बैंकों में है। उसका कहना है कि उसने पांच लाख से अधिक स्थानों पर बैंकिंग की सुविधा कर रखी है और उसके प्लेटफार्म का उपयोग करने वालों की संख्या 11.5 करोड़ है। सितंबर 2021 की तिमाही से बैंक लाभ में आ गया है।

दिसंबर में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री में 11 फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली (एजेंसी)।

वाहन डीलरों के संगठन फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) ने बुधवार को कहा कि पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष दिसंबर में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री में 11 फीसदी की गिरावट आई है। फाडा ने कहा कि सेमीकंडक्टर की कमी का संकट अब भी बना हुआ है। यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री पिछले महीने 10.91 फीसदी गिरकर 2,44,639 इकाई पर आ गई जो दिसंबर 2020 में 2,74,605 इकाई थी। फाडा के एक अधिकारी ने कहा कि दिसंबर के महीने में आमतौर पर अधिक बिक्री होती है क्योंकि विनिर्माता वर्ष बदलने के मद्देनजर वाहनों की बिक्री के लिए काफी छूट देते हैं लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ और खुदरा बिक्री निराशाजनक रही। उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर की कमी की समस्या बनी हुई है जिसकी वजह से बड़ी संख्या में बुकिंग के बावजूद बिक्री कम रही। पिछले महीने दो पहिया वाहनों की बिक्री भी कम रही। दिसंबर 2021 में 11,48,732 वाहनों की बिक्री हुई जो दिसंबर 2020 में हुई कुल 14,33,334 वाहनों की बिक्री के मुकाबले 19.86 फीसदी कम है। हालांकि दूसरी ओर व्यावसायिक वाहनों की खुदरा बिक्री में पिछले वर्ष के मुकाबले 13.72 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। पिछले महीने कुल 58,847 वाहन बिके जबकि दिसंबर 2020 में 51,749 वाहन बिके थे। पिछले महीने विभिन्न प्रकार के कुल 15,58,756 वाहनों की खुदरा बिक्री हुई जो दिसंबर 2020 में बिके 18,56,869 वाहनों के मुकाबले 16.05 फीसदी कम है।

केयर्न एनर्जी ने भारत के खिलाफ सभी मुकदमे वापस लिए

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

ब्रिटिश कंपनी केयर्न एनर्जी ने भारत सरकार के खिलाफ विभिन्न अंतरराष्ट्रीय अदालतों में दायर सभी मुकदमे वापस ले लिए हैं।साथ ही पिछली तारीख से कराधान प्रावधान के तहत कंपनी से वसूले गए करीब 7,900 करोड़ रुपये का कर लौटाने का रास्ता साफ हुआ है। केयर्न एनर्जी ने देश के कई समाचारपत्रों में विज्ञापन प्रकाशित कर भारत सरकार के खिलाफ चल रहे सभी मुकदमे वापस लेने की जानकारी दी है। कंपनी ने सरकार के साथ इस बारे में सहमति पहले ही दे दी थी। ब्रिटिश कंपनी ने कहा है कि वह अमेरिका से लेकर फ्रांस और नीदरलैंड्स से लेकर सिंगापुर की अदालतों तक में भारत सरकार के खिलाफ चल रहे सभी मामले वापस ले चुकी है। दरअसल, भारत सरकार ने गत अगस्त में पारित नए कानून में पिछली तारीख से कर वसूलने के प्रावधान को निरस्त कर दिया था। इसके साथ ही संबंधित कंपनियों से कहा था कि अगर वे भारत सरकार के खिलाफ विभिन्न अदालतों में दायर अपने मुकदमे वापस ले लेती है, तब उन्हें इस प्रावधान के तहत वसूली गई राशि लौटा दी जाएगी। आयकर अधिनियम में वर्ष 2012 में जोड़े गए इस प्रावधान के तहत भारत में कारोबार करने वाली विदेशी कंपनियों से विदेशी भूभाग में किए गए सौदों पर भी पिछली तारीख से कर वसूलने की व्यवस्था की गई थी। प्रावधान के तहत केयर्न और वोडाफोन सहित कई विदेशी कंपनियों से पिछली तारीख से कर वसूला गया था।इसमें से सिर्फ केयर्न से ही 7,900 करोड़ रुपये वसूले गए थे। हालांकि,सरकार ने नए नियम को अधिसूचित करते हुए कुछ महीने पहले इससे जुड़े प्रक्रियागत नियम जारी किए थे। कर रिफंड के लिए जरूरी था कि संबंधित कंपनियां सरकार के समक्ष इसकी अर्जी दें और तमाम मुकदमे वापस लेने की पुष्टि करें। इसी क्रम में केयर्न ने यह विज्ञापन दिया है। केयर्न ने कहा है कि मुकदमे वापस लिए जाने के बाद उससे वसूले गए कर को रिफंड करने का रास्ता साफ हो जाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अर्जेंटीना को हराकर पोलैंड एटीपी कप सेमीफाइनल में

सिडनी ।

पोलैंड ने अर्जेंटीना को बुधवार को 3.0 से हराकर एटीपी कप टेनिस के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया । पोलैंड के हुबर्ट हुरकाज ने डिएगो श्वार्त्जमैन को 6.1, 6.4 से हराया। पोलैंड ग्रुप डी में जॉर्जिया, यूनान और अर्जेंटीना को हराकर शीर्ष पर रहा। पोलैंड के लिए पहला मैच कामिल एम ने जीता जिन्होंने फेडरिको डेलबोनिस को 6.3, 7.6 से मात दी। इसके बाद श्वार्त्जमैन को हराकर हुरकाज ने बढत 2.0 की कर दी। पोलैंड ने युगल मैच भी अपने नाम किया। अब पोलैंड का सामना स्पेन या 2020 चैम्पियन सर्बिया से होगा। अन्य मैचों में चिली ने नॉर्वे को 2.1 से हराया जिसके मायने हैं कि सर्बिया को अब ग्रुप ए में शीर्ष पर रहने के लिये स्पेन को मात देनी होगी।

कोरोना संक्रमण के कारण आईपीएल कार्यक्रम में भी बदलाव की संभावना

मुम्बई ।

कोरोना संक्रमण के बढ़ने से अब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की तैयारियों को भी झटका लगा है। नए सत्र से पहले होने वाली मेगा नीलामी पर भी इसका प्रभाव पड़ना तय है। इस बार टी20 लीग में 8 की जगह 10 टीमें उतरेंगी पर इसकी तारीखों ओर स्थल में बदलाव होगा। 15 वें सत्र के लिए 8 पुरानी टीमों ने 27 खिलाड़ियों को रिटेन (बरकरार) रखा है। वहीं दो नई टीमें अब 3-3 खिलाड़ियों को अपने साथ रखेंगी। एक रिपोर्ट के अनुसार अगले माह 12 और 13 फरवरी को बेंगलुरु में मेगा नीलामी होगी पर कोविड-19 प्रतिबंधों को देखते हुए इसमें बदलाव किया जा सकता है। बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'कुछ चीजें हमारे हमारे हाथ में नहीं हैं। इसलिए हमें इंतजार करना चाहिए। प्रतिबंधों को लेकर जानकारी हासिल की जा रही है. हम स्थिति पर नजर रखे गए हैं और राज्य संघों के संपर्क में भी हैं। अगर स्थ्ल में बदलाव की जरूरत हुई तो इसे शॉर्ट नोटिस पर किया जाएगा.' बीसीसीआई ने पहले बेंगलुरु के अलावा कोच्चि, कोलकाता और मुंबई को भी मेगा नीलामी के वैकल्पिक स्थल के तौर पर रखा था पर इन तीनों शहर में जिस प्रकार कोरोना संक्रमण बढ़ा है उससे बीसीसीआई को नए स्थलों की तलाश करनी पड़ेगी। इसके अलावा नीलामी की तारीख भी बदलनी पड़ सकती है। इसी कारण बोर्ड अन्य राज्य संघों से भी नीलामी को लेकर बात कर रहा है, जिससे अंतिम समय में होने वाले बदलाव के लिए तैयारी की जा सके। प्राप्त

जानकारी के अनुसार, बीसीसीआई ने सभी राज्य संघों से 17 जनवरी तक नीलामी के लिए खिलाड़ियों के नाम भेजने को कहा है। इसके लिए लगभग 1000 खिलाड़ियों के नाम आने की संभावना है।

यूपी ने जूनियर राष्ट्रीय हॉकी में जीता स्वर्ण, सत्र में 4 टूर्नामैंट जीते

लखनऊ।

30 साल बाद खिताबी सूखा खत्म करते हुए उत्तर प्रदेश (यूपी) की पुरुष जूनियर हॉकी टीम ने चंडीगढ़ को फाइनल में 3-1 से मात देकर स्वर्णिम सफलता हासिल करते हुए इतिहास रच दिया। यही नहीं टोक्यो ओलिम्पिक में 41 साल भारतीय हॉकी टीम के पदक जीतने के चलते बदले माहौल में यूपी हॉकी टीम ने इस सत्र में 6 में से चार पदक जीतकर परचम लहरा दिया। इन पदक विजेता खिलाड़यिों के स्वागत के क्रम में यूपी की स्वर्ण पदक विजेता जूनियर हॉकी टीम का मंगलवार शाम को वापसी पर लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्टेडियम में भव्य स्वागत किया गया। यूपी ने 11वीं जूनियर राष्ट्रीय पुरुष हॉकी चैंपियनशिप के फाइनल में चंडीगढ को 3-1 से मात दी। पूरे टूर्नामेंट में यूपी टीम ने सभी मैचों में जीत दर्ज की। इससे पहले यूपी टीम ने क्वार्टर फाइनल में दिल्ली को 9-0 और सेमीफाइनल में हरियाणा को 8-3 से मात दी थी। वहीं लीग दौर में यूपी ने उत्तराखंड को 11-0 से और मध्य प्रदेश को 12-2 से मात दी थी। यूपी टीम में शामिल अंतरराष्ट्रीय सितारे लखनऊ के शारदानंद तिवारी ने सर्वाधिक 14 गोल दागे। वहीं अरुण साहनी ने 12 गोल किए। इस टीम में शारदानंद तिवारी, अरुण साहनी, आमिर अली, मनीष साहनी, विकास गौड़ व गोलकीपर प्रतीक निगम सहित लखनऊ के 6 खिलाड़ी शामिल थे। उत्तर प्रदेश के खेल निदेशक डा.आरपी सिंह ने यूपी सरकार की ओर से टीम के लिए साढ़े 5 लाख रुपए नगद पुरस्कार की घोषणा की। यूपी की हॉकी टीम ने राष्ट्रीय स्तर पर हुए टूर्नामेंटों में 6 में से 4 पदक जीतकर अपनी काबिलियत का लोहा मनवा दिया है। यूपी हॉकी के उपाध्यक्ष विनय कुमार राय ने कहा कि तमिलनाडु में हुई 11वीं हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप में उत्तर प्रदेश टीम ने एक बार फिर से स्वर्ण पदक जीतकर यूपी हॉकी का झंडा बुलंद कर दिया है और विश्वास जताया कि ये सिलसिला आगे भी जारी रहेगा।

भानुका राजपक्षा ने क्रिकेट को कहा अलविदा, बताई संन्यास लेने की वजह

कोलंबो । श्रीलंका के बल्लेबाज भानुका राजपक्षा ने पारिवारिक दायित्वों का हवाला देते हुए बुधवार को तुरंत प्रभाव से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने का फैसला किया। राजपक्षा का वनडे कैरियर छह महीने से भी कम चला जिन्होंने जुलाई 2021 में ही पदार्पण किया था। उन्होंने श्रीलंका क्रिकेट को पत्र लिखकर यह जानकारी दी। पत्र में उन्होंने लिखा कि मैंने बतौर खिलाड़ी और एक पति के तौर पर अपनी स्थिति की समीक्षा की। पारिवारिक दायित्वों के कारण मुझे यह फैसला लेना पड़ रहा है। उन्होंने श्रीलंका के लिए पांच वनडे और 18 टी20 खेलकर 409 रन बनाए। वह टी20 विश्व कप में श्रीलंका की टीम का हिस्सा थे और उन्होंने 155 रन बनाए थे।

ऑस्ट्रेलियन ओपन : रामकुमार और बोपन्ना एडीलेड में क्वार्टर फाइनल में

एडीलेड ।

भारत के रामकुमार रामनाथन और रोहन बोपन्ना एडीलेड इंटरनेशनल एटीपी टूर्नामेंट में कड़े मुकाबले में मिली जीत के बाद पुरूष युगल क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। रामकुमार और बोपन्ना पहली बार एटीपी टूर पर साथ खेल रहे हैं। उन्होंने आठवीं वरीयता प्राप्त अमेरिका के जैकसन विथ्रो और नाथनियेल लामोंस को 6.7, 7.6, 10.4 से हराया। इससे पहले उन्होंने अमेरिका के जैमी केरेटानी और ब्राजील के फर्नांडो रोंबोली को 6.2, 6.1 से मात दी थी। अब उनका सामना फ्रांस के बेंजामिन बोंजी और मोनाको के हुजो निस तथा बेल्जियम के सैंडर जिले और जोरान विलेजेन के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। महिलाओं के डब्ल्यूटीए 500 टूर्नामेंट में भारत की सानिया मिर्जा और उक्रेन की नादिया किचेनोक ने दूसरी वरीयता प्राप्त गैब्रियला डाबरोवस्की और जियुलियाना ओल्मोस को 1.6, 6.3, 10.8 से हराया। अब उनका सामना आस्ट्रेलिया की प्रिससिला होन और चार्लोट के पोक्ज और अमेरिका की शेल्बी रोजर्स और ब्रिटेन की हीथर वाटसन के बीच होने वाले मैच की विजेता से होगा।

संक्षिप्त समाचार

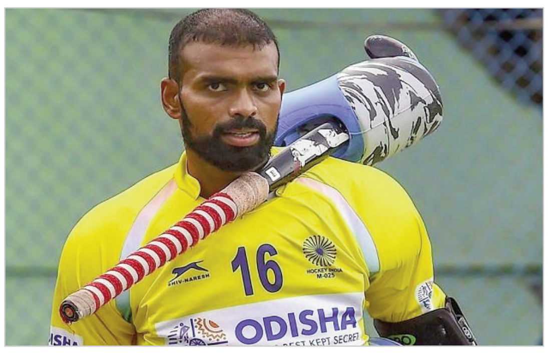

श्रीजेश विश्व खेल साल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पुरस्कार की दौड़ में

लुसाने । ओलंपिक कांस्य पदक विजेता भारतीय पुरुष हॉकी टीम के गोलकीपर पीआर श्रीजेश प्रतिष्ठित विश्व खेल साल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार की दौड़ में बने हुए हैं। विजेता की घोषणा आनलाइन मतदान प्रक्रिया के बाद की जाएगी जो 10 जनवरी को शुरू होकर 31 जनवरी तक चलेगी। एफआईएच के 2021 के साल के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर चुने गए तीन बार के ओलंपियन श्रीजेश ने 240 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। पिछले 12 महीने उनके लिए शानदार रहे और उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए टीम को तोक्यो खेलों में एतिहासिक कांस्य पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई। श्रीजेश को अगर यह पुरस्कार मिला है तो वह इसे हासिल करने वाले देश के दूसरे हॉकी खिलाड़ी होंगे। इससे पहले महिला हॉकी टीम की कप्तान रानी रामपाल यह पुरस्कार हासिल कर चुकी है। रानी 2020 में यह पुरस्कार जीतने वाली पहली हॉकी खिलाड़ी बनी थी। इस पुरस्कार के लिए कुल 24 खिलाड़ियों को नामित किया गया है। इस 24 खिलाड़ियों की सूची में से 23 जनवरी को 10 सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को फाइनल दौर में जगह मिलेगी जिसके लिए वोटिंग 31 जनवरी तक जारी रहेगी।

फुटबॉलर क्रिस्टियन एरिक्सन को पड़ा था दिल का दौरा, अब वापसी की तैयारी में

कोपेनहेगन ।

यूरोपीय चैम्पियनशिप में फिनलैंड के खिलाफ पहले ही मैच में दिल का दौरा पडने से बाहर हुए डेनमार्क के क्रिस्टियन एरिक्सन नवंबर में होने वाले विश्व कप के जरिए फुटबॉल के मैदान पर वापसी करना चाहते हैं। 29 वर्ष के एरिक्सन ने जून में हुए उस हादसे के बाद से एक भी मैच नहीं खेला है। वह इटली में खेल नहीं सके थे जिसकी वजह से इंटर मिलान के साथ उनका करार आपसी सहमति से रद्द कर दिया गया। एरिक्सन ने डेनमार्क के प्रसारक डीआर वन को दिये इंटरव्यू में कहा कि मेरा लक्ष्य कतर में विश्व कप खेलना है। पिछले कुछ समय में उन्होंने अभ्यास शुरू कर दिया है लेकिन फिलहाल वह किसी क्लब से नहीं जुड़े हैं।

नोवाक जोकोविच को इस नियम के कारण मिली ऑस्ट्रेलियन ओपन में एंट्री

खेल डैस्क ।

नोवाक जोकोविच ने खुलासा किया है कि उन्हें ऑस्ट्रेलियन ओपन खेलने के लिए चिकित्सा छूट मिल गई है। सर्बियाई विश्व नंबर 1 के इस खुलासे से उन अफवाहों पर ब्रेक लग गई है जिसमें कहा जा रहा था कि नोवाक को कोविड वैक्सीनेशन की स्थिति स्पष्ट न करने पर ऑस्ट्रेलिया ओपन में खेलने की इजाजत नहीं मिलेगी। सोशल मीडिया पर ऑस्ट्रेलिया ओपन प्रबंधन नोवाक को यह विशेष छूट देने के कारण मिली-जुली प्रतिक्रियाएं झेल रहा है। जोकोविच ने पहले ही कोविड -19 टीकाकरण की स्थिति बताने से इनकार कर दिया है। आइए जानते हैं वह नियम इसके कारण टैनिस प्लेयर को यह छूट मिली।

विक्टोरियन सरकार का जनादेश

विक्टोरियन सरकार ने अनिवार्य किया है कि केवल पूरी तरह से टीकाकरण वाले खिलाडियों, प्रशंसकों और कर्मचारियों को ही मेलबर्न पार्क में जाने की अनुमति होगी। 17 जनवरी से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन के आयोजकों ने निर्धारित किया था कि सभी प्रतिभागियों को कोरोनावायरस का टीका लगा होना चाहिए या विशेषज्ञों का एक स्वतंत्र पैनल प्लेयर को चिकित्सा छूट दे।

नोवाक को है गंभीर बीमारी

ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों का कहना है कि खिलाडियों को गंभीर बीमारी होने पर ही छूट मिल सकती है। हालांकि विश्व नंबर 1 एथलीट की गंभीर प्रमुख चिकित्सा स्थिति क्या हो सकती है? को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। माना यह जा रहा है कि अगर वह गंभीर बीमार हैं तो वह टूर्नामैंट में खेलेंगे कैसे।

क्या जोको बिग 20 से आगे निकल सकते हैं?

जोकोविच रोजर फेडरर और राफेल नडाल के साथ 20 ग्रैंड स्लैम जीत चुके हैं।

अगर वह ऑस्ट्रेलियन ओपन के साथ वह मेलबर्न में अपने खिताब का बचाव करता है, तो वह विश्व रिकार्ड बनाएंगे। वह रिकॉर्ड 10वां ऑस्ट्रेलियन ओपन भी जीतेंगे।

एशेज में खराब प्रदर्शन पर बोले जेम्स एंडरसन, ऑस्ट्रेलिया में पिछड़कर वापसी करना मुश्किल

खेल डैस्क । एशेज में 0-3 ये पीछे चल रही इंगलैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने कहा कि हमें एक पक्ष के रूप में बहुत सुधार करने की जरूरत है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि इसके लिए ज्यादा गहराई में जाने की जरूरत नहीं है। हमारी पास कुछ प्रतिभाएं हैं, कई युवा प्लेयर हैं जो बढिया प्रदर्शन कर रहे हैं। लगातार सुधार करते ही अब फिर से अच्छा प्रदर्शन करने में सक्षम हो जाएंगे। एंडरसन ने इस दौरान अपने संन्यास पर भी बात की। उन्होंने कहा कि अभी इसका समय नहीं आया है। बहरहाल, एंडरसन ने कहा कि मुझे लगता है कि मैंने जो सबसे बड़ी चीज सीखी है, खासकर एशेज में पिछले कुछ वर्षों में मिली हार से, वह यह है कि आपको इसमें बहुत गहराई से देखने की जरूरत नहीं है। ऑस्ट्रेलिया में पिछडने के बाद वापसी करना बहुत मुश्किल होता है। जीतना एक आदत है, यही कारण है कि जब टीमें यहां आती हैं तो 1-0, 2-0 से पिछडने के बाद कम से वापसी करती हैं। बीते दिनों जेम्स एंडरसन ने एक अखबार में छपे कॉलम में लिखा था- दुर्भाग्य से मैं कुछ ऐसे दौरों पर रहा हूं जिनका अंत ऑस्ट्रेलिया में अच्छा नहीं रहा। जब आप निश्चित रूप से हार जाते हैं तो हमेशा अनिश्चितता की हवा होती है, तो कौन जानता है कि भविष्य में क्या होगा। यह स्वाभाविक है कि आप सोचना शुरू कर दें कि आगे क्या होता है लेकिन कप्तान और मेरे आसपास के वरिष्ठ खिलाडियों के साथ मेरी बातचीत का संदेश यह है कि अभी मुझे चलते रहना चाहिए। एंडरसन ने संन्यास के संदर्भ में अपने गेंदबाजी साथी स्टुअर्ट ब्रॉड के साथ बातचीत का खुलासा करते हुए बताया कि अभी हम कुछ और खेलने की इच्छा रखते हैं। हम जल्द अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन लेकर आएंगे। व्यक्तिगत रूप से मैं इस इन चुनौतीपूर्ण समय में भी गेंदबाजी करते वक्त अच्छा महसूस कर रहाहूं। मुझे इंतजार करना होगा। मेरा इरादा खत्म करने का नहीं है। बता दें कि इंग्लैंड के लिए 2021 की टेस्ट क्रिकेट निराशजनक रही जहां उन्होंने 14 में से नौ टेस्ट गंवा दिए।

ट्रेविस हेड की कोरोना रिपोर्ट आई नेगेटिव, जल्द जुड़ेगे ऑस्ट्रेलिया टीम के साथ

मेलबर्न = ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रैविस हेड कोरोना नेगेटिव आने के बाद मौजूदा एशेज टेस्ट सीरीज के पांचवें और आखिरी मैच के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में वापसी के लिए तैयार हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने एक बयान में कहा कि हेड की क्वारंटीन अवधि समाप्त हो गई है। वह आज सुबह हुए कोरोना टेस्ट में नेगेटिव पाए गए हैं और अब उनका एक और रैपिड एंटीजन टेस्ट होगा। अगर वह इसमें नेगेटिव आते हैं तो वह सिडनी के लिए उड़ान भरेंगे। शुक्रवार को वह आखिरी रैपिड एंटीजन टेस्ट कराएंगे, जिसकी रिपोर्ट नेगेटिव आने पर वह टीम में फिर से शामिल होंगे। उल्लेखनीय है कि पिछले हफ्ते कोरोना पॉजिटिव आने के बाद हेड चौथे एशेज टेस्ट से बाहर हो गए थे।

बुमराह की आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष दस में हुई वापसी, विराट नौवें स्थान पर खिसके

दुबई ।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट टेस्ट (आईसीसी) रैंकिंग में भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को लाभ हुआ है और वह तीन पायदान की छलांग लगाकर एक बार फिर शीर्ष दस में शामिल हो गये हैं। सेंचुरियन टेस्ट में अच्छी गेंदबाजी के बाद बुमराह रैंकिंग में 9वें स्थान पर आये हैं। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सेंचुरियन में हुए पहले टेस्ट मैच में अच्छी गेंदबाजी करते हुए कुल 5 विकेट लिए थे। इसी प्रदर्शन की वजह से वो टेस्ट रैंकिंग में तीन स्थान ऊपर आये हैं। वहीं टीम इंडिया के ही तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी भी दो स्थान ऊपर आकर 17वें स्थान पर पहुंच गये हैं। शमी ने भी सेंचुरियन में कुल 8 विकेट लिए थे। वहीं भारत के ही आर अश्विन दूसरे नंबर पर जबकि ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस शीर्ष पर हैं। दूसरी ओर बल्लेबाजी रैंकिंग की बात करें तो भारतीय टीम के टेस्ट कप्तान विराट कोहली को नुकसान हुआ है। विराट दो स्थान फिसलकर 9वें स्थान पर आ गए हैं। कोहली के खाते में 747 रेटिंग अंक हैं जबकि पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम विराट से एक स्थान ऊपर आठवें स्थान पर हैं। आजम को एक स्थान का फायदा हुआ है। इससे पहले विराट सातवें पायदान पर थे। वहीं भारत के ही सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा की रैंकिंग में बदलाव नहीं हुआ है। रोहित रैंकिंग में पांचवें स्थान पर बने हुए हैं। दूसरी ओर बल्लेबाजों की रैंकिंग में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर मार्नस लाबुशेन शीर्ष पर हैं। उनके कुल 915 रेटिंग अंक हैं जबकि इंग्लैंड के कप्तान जो रूट दूसरे, वहीं न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन 879 रेटिंग के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

जीत के जश्न में एक साथ उछलते हुए नजर आये बांग्लादेशी खिलाड़ी

माउंट माउंगानुई । बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड में मिली अपनी पहली जीत का शानदार जश्न मनाया है। बांग्लादेश टीम ने इसका एक वीडियो भी जारी किया है। इस वीडियो में सभी खिलाड़ी और कोचिंग स्टाफ के सदस्य एक दूसरे के कंधों पर हाथ रखे हुए खड़े नजर आ रहे हैं। इस दौरान टीम के 34 वर्षीय अनुभवी खिलाड़ी मुशफिकुर रहीम के संबोधित करने के बाद सभी खिलाड़ी एक साथ उछलते हुए नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में रहीम को यह कहते सुना जा सकता है कि हमने ऐतिहासिक जीत दर्ज की तो फिर इसका पूरा आनंद भी उठाना चाहिए। इसके बाद सभी खिलाड़ी खुशी के मारे उछलने लगते हैं। बांग्लादेश क्रिकेट टीम की इस सबसे बड़ी जीत में गेंदबाज इबादत हुसैन की अहम भूमिका रही हैं। इबादत ने ही सबसे ज्यादा विकेट लेकर न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों को बेबस कर दिया था। अपने देश से बाहर टेस्ट क्रिकेट में बांग्लादेश की यह छठी जीत है और शीर्ष पांच रैंकिंग वाली टीमों में से किसी के खिलाफ पहली जीत है। इससे वह विश्व टेस्ट रैंकिंग में भी शीर्ष दस में शामिल हो गयी है।

कोणार्क सूर्य मंदिर के शिखर पर लगे पत्थर के बारे में जो बताया जाता है वह कितना सच है

ओडिशा के कोणार्क शहर में प्रतिष्ठित सूर्य मंदिर यूनेस्को की विश्व धरोहरों में शामिल हैं। वैसे तो इस मंदिर का निर्माण हजारों वर्षों पूर्व हुआ माना जाता है लेकिन कई इतिहासकार मानते हैं कोणार्क सूर्य मंदिर का निर्माण 1253 से 1260 ई. के बीच हुआ था। भारत के सुप्रसिद्ध मंदिरों में शुमार कोणार्क सूर्य मंदिर में सूर्य देव को रथ के रूप में विराजमान किया गया है तथा पत्थरों को उत्कृष्ट नक्काशी के साथ उकेरा गया है। स्थानीय लोग यहां सूर्य-भगवान को बिरंचि-नारायण भी कहते थे।

कोणार्क सूर्य मंदिर की खासियत

केसरी वंश के राजा द्वारा निर्मित इस मंदिर की शिल्पकला दर्शनीय है। मंदिर का निर्माण सूर्य के काल्पनिक रथ का रूप देकर किया गया है। सूर्य मंदिर चौकोर परकोटे से घिरा है। इसके तीन तरफ ऊंचे-ऊंचे प्रवेशद्वार हैं। पूरब दिशा में मुख्य द्वार है जिसके सामने समुद्र से सूर्य उदय होता दिखाई पड़ता है। इसमें सूर्य भगवान को अपने विशाल चौबीस पहियों तथा सात घोड़ों के रथ पर सवार होकर दिनभर की यात्रा के लिए निकलते हुए दिखाया गया है। रथ के सात घोड़ों को सूर्य के प्रकाश के सात रंगों तथा चौबीस पहियों की परिक्रमा के प्रतीक रूप में दिखाया गया है। कोणार्क सूर्य मंदिर ओडिशा के स्वर्णकाल तथा कलिंग शैली की शिल्पकला का प्रतीक है। इस मंदिर की दीवारों पर पत्थर की नक्काशी की हुई अनेक आकर्षक प्रतिमाएं हैं। सूर्य भगवान के रथ की अलंकृत नक्काशी वाला यह बेजोड़ मंदिर भव्यता में अद्भुत है।

कोणार्क मंदिर से जुड़ी अजब कथा

कई कथाओं में इस प्रकार का उल्लेख मिलता है कि कोणार्क सूर्य मंदिर के शिखर पर एक चुम्बकीय पत्थर लगा है जिसके प्रभाव से, कोणार्क के समुद्र से गुजरने वाले सागरपोत इस ओर खिंचे चले आते हैं, जिससे उन्हें भारी क्षति हो जाती है। एक अन्य कथा में उल्लेख मिलता है कि शिखर पर लगे इस पत्थर के कारण पोतों के चुम्बकीय दिशा निरूपण यंत्र सही दिशा नहीं बता पाते थे इसलिए कुछ आक्रांता इस पत्थर को निकाल कर ले गये जिससे मंदिर को नुकसान हुआ था। हालांकि यह सब कही-सुनी बातें हैं इसका कोई ऐतिहासिक साक्ष्य उपलब्ध नहीं है।

कोणार्क मंदिर देखने कैसे आएं

यदि आप भी कोणार्क सूर्य मंदिर आना चाहते हैं तो भुवनेश्वर और पुरी से यहां आसानी से आ सकते हैं। ओडिशा पर्यटन विकास निगम की ओर से यहां भ्रमण की भी व्यवस्था कराई जाती है। वैसे कोणार्क में रहने की भी पर्याप्त व्यवस्था है। पर्यटक चाहें तो भुवनेश्वर से यहां आकर भ्रमण कर के उसी दिन वापस लौट सकते हैं। कोणार्क में रहने के लिए पर्यटन विभाग के लाज, टूरिस्ट बंगला और निरीक्षण भवन भी हैं।

कोणार्क का समुद्र तट भी अवश्य देखें

कोणार्क का समुद्र तट विश्व के सुंदरतम तटों में से एक माना गया है। यहां समुद्र के रेतीले गुट का आनंद उठाया जा सकता है। समुद्र की खूबसूरती निहारते हुए उठती-गिरती लहरों को देखना मंत्रमुग्ध कर देता है। यह एक सुंदर पिकनिक स्थल भी है। समुद्र तट सूर्य मंदिर से तीन किलोमीटर दूर है। इसके अलावा कोणार्क की दुर्लभ कलाकृतियों का संग्रह देखने के लिए मंदिर के पास ही स्थित संग्रहालय भी जा सकते हैं।

गुजरात का यह मंदिर दिन में दो बार हो जाता है गायब, जानिए क्या है रहस्य

भारत में कई हिस्सों में भगवान शिव के कई प्राचीन मंदिर हैं जहाँ दूर-दूर से लोग दर्शन करने के लिए आते हैं। लेकिन आज हम आपको भगवान शिव के एक ऐसे अनोखे मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं जो दिन में दो बार गायब हो जाता है। जी हाँ, गुजरात में स्थित स्तंभेश्वर मंदिर को 'गायब मंदिर' भी कहा जाता है। देश-विदेश से शिव भक्त अपनी मनोकमना पूर्ण होने की कामना के साथ इस मंदिर में आते हैं। आइए जानते हैं भगवान भोलेनाथ के इस अद्भुत मंदिर के बारे में -

वडोदरा के पास स्थित है स्तंभेश्वर मंदिर

स्तंभेश्वर मंदिर गुजरात के जम्बूसार तहसील में कवि कंबोई गांव में स्थित है। यह मंदिर वडोदरा से लगभग 40 किलोमीटर दूर स्थित होने के कारण वडोदरा के पास सबसे लोकप्रिय दार्शनिक स्थलों में से एक है। यह मंदिर लगभग 150 साल पुराना है और इसे %गायब मंदिर% भी कहा जाता है। सालभर मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहता है। खासतौर पर सावन के महीने में इस मंदिर में हजारों की संख्या में श्रद्धालु दूर-दूर से महादेव के दर्शन करने के लिए यहां आते हैं।

स्कंद पुराण में मिलता है उल्लेख

स्कन्द पुराण में दिए गए उल्लेख के अनुसार स्तम्भेश्वर मंदिर को

भगवान कार्तिकेय के ताड़कासुर नाम के राक्षस को नष्ट करने के बाद स्थापित किया था।

कहा जाता है कि राक्षस ताड़कासुर भगवान शिव का बहुत बड़ा भक्त था। उसने भगवान को प्रसन्न करने के लिए घोर तपस्या कीऔर भोलेनाथ ने उसकी भक्ति से प्रसन्न होकर उसे एक वरदान मांगने को कहा। तब ताड़कासुर ने आशीर्वाद माँगा कि भगवान शिव के छह दिन के पुत्र के अलावा कोई भी उसे मार न सके। उसकी इच्छा पूरी होने के बाद, ताड़कासुर ने तीनों लोकों में हाहाकार मचा दिया। तब ताड़कासुर के अत्याचार को समाप्त करने के लिए भगवान शिव ने अपने तीसरे नेत्र की ज्वाला से भगवान कार्तिकेय की रचना की। ताड़कासुर को मारने वाले भगवान कार्तिकेय भी उसकी शिव भक्ति से प्रसन्न थे। इसलिए, प्रशंसा के संकेत के रूप में, उन्होंने उस स्थान पर एक शिवलिंग स्थापित किया जहां ताड़कासुर का वध किया गया था।

एक अन्य संस्करण के अनुसार, ताड़कासुर को मारने के बाद भगवान कार्तिकेय खुद को दोषी महसूस कर रहे थे क्योंकि ताड़कासुर राक्षस होने के बाद भी भगवान शिव का भक्त था। तब भगवान विष्णु ने कार्तिकेय को यह कहते हुए सांत्वना दी कि आम लोगों को परेशान करके रहने वाले राक्षस को मारना गलत नहीं है। हालाँकि, भगवान कार्तिकेय शिव के एक महान भक्त को मारने के अपने पाप से मुक्त होना चाहते थे। इसलिए, भगवान विष्णु ने उन्हें शिव लिंग स्थापित करने और क्षमा के लिए प्रार्थना करने की सलाह दी।

मंदिर के गायब होने के पीछे है यह वजह

स्तंभेश्वर मंदिर के गायब होने के पीछे की वजह प्राकृतिक है। दरअसल, यह मंदिर समुद्र के किनारे से कुछ मीटर की दूरी पर स्थित है। इसलिए दिन में समुद्र का स्तर इतना बढ़ जाता है कि मंदिर जलमग्न हो जाता है। फिर कुछ जो देर में जल का स्तर घट जाता है जिससे मंदिर फिर से दिखाई देने लगता है से प्रकट होता है। चूंकि समुद्र का स्तर दिन में दो बार बढ़ जाता है इसलिए मंदिर हमेशा सुबह और शाम के समय कुछ देर के लिए गायब हो जाता है। इस नज़ारे को देखने के लिए श्रद्धालु दूर-दूर से इस मंदिर में आते हैं।

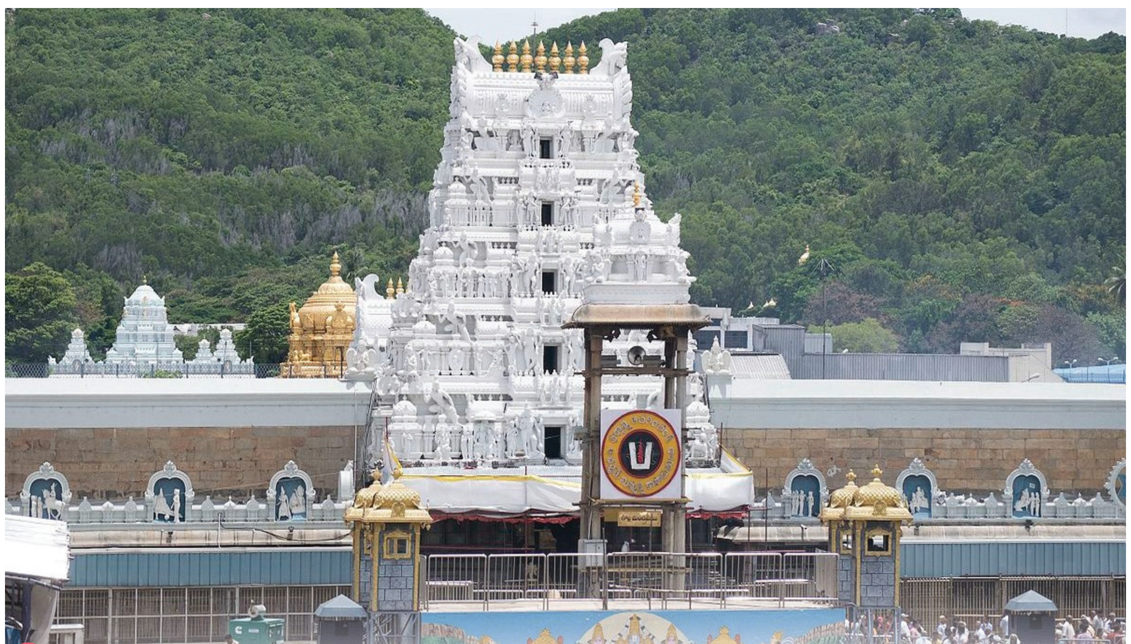

बिना तेल और घी के जलता है दीया, तिरुपति बालाजी मंदिर से जुड़े चमत्कारी रहस्यों के बारे में कितना जानते हैं आप?

भारत में एक ऐसा मंदिर मौजूद है जहाँ भगवान स्वयं विराजमान है। यह मंदिर है भगवान तिरुपति बालाजी का जिन्हें भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है। तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी मन्दिर भारत के सबसे प्रसिद्ध तीर्थस्थलों में से एक है। तिरुमला की पहाड़ियों पर बना श्री वैंकटेश ?वर बालाजी मंदिर आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले के तिरुपति में स्थित है। यह मंदिर समुद्र तल से 3200 फीट ऊंचाई पर स्थित है और तिरुपति के सबसे बड़े आकर्षण का केंद्र है। कहा जाता है जो भी व्यक्ति एक बार यहाँ दर्शन कर ले उसके भाग खुल जाते हैं। इस मंदिर की लोकप्रियता से हर कोई वाकिफ है पर क्या आप मंदिर के चमत्कारी रहस्यों के बारे में जानते हैं। आज हम आपको इन्हीं रहस्यों के बारे में बताने वाले हैं-

मान्यता है कि जब भगवान की पूजा की जाती है तो उनकी मूर्ति मुस्कुराने लगती है। भगवान तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी की मूर्ति में माता लक्ष्मी भी समाहित है। मान्यता है कि भगवान तिरुपति वेंकटेश्वर की मूर्ति इस मंदिर में स्वयं प्रकट हुई थी।

कहा जाता है भगवान तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी की मूर्ति पर लगे हैं बाल असली हैं। यह बाल कभी भी उलझते नहीं हैं और हमेशा मुलायम रहते हैं।

जब आप मंदिर के गर्भ गृह के अंदर जायेंगे तो ऐसा लगेगा कि भगवान श्री वेंकेटेश्वर की मूर्ति गर्भ गृह के मध्य में स्थित है, पर जब आप गर्भ गृह से बाहर आकर मूर्ति को देखेंगे तो प्रतीत होगा कि भगवान की प्रतिमा दाहिनी तरफ स्थित है।

तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी मंदिर समुद्र तल से 3200 फीट ऊंचाई पर स्थित है लेकिन फिर भी भगवान की मूर्ति से समुद्र की आवाजें सुनाई देती हैं। यहाँ के लोगों का मानना है कि भगवान की यह मूर्ति समुद्र से प्रकट हुई थी इसलिए इससे समुद्र की आवाज सुनाई देती है।

तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी मंदिर के द्वार पर एक छड़ी रखी हुई है। इस छड़ी को लेकर अनेक पौराणिक कथाएं प्रचलित है। एक कथा के अनुसार जब भगवान विष्णु धरती पर माता लक्ष्मी को ढूंढ़ने आये थे तो यह छड़ी उन्हें उनका पता बता रही थी।

ऐसी मान्यता है कि यह वहीं छड़ी है जिससे बचपन में भगवान वेंकटेश्वर जी को चोट लगी थी। चोट का निशान आज भी उनकी मूर्ति के चेहरे पर है। इसलिए हर शुक्रवार उनके चेहरे पर चन्दन का लेप लगाया जाता है।

श्री तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी मंदिर में श्रृंगार, प्रसाद के चढ़ाये जाने वाली सामग्री तिरुपति बालाजी के गांव से आती है। यह गांव मंदिर से 23 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है और यहाँ बाहरी व्यक्ति के प्रवेश पर प्रतिबंध है।

श्री वेंकेटेश्वर बालाजी मंदिर में एक ऐसा दीया रखा हुआ है जो हमेशा जलता रहता है और चौंकाने वाली बात यह है कि इस दीपक में कभी भी तेल या घी नहीं डाला जाता। दीपक को सबसे पहले किसने और कब प्रज्वलित किया था यह बात अब तक रहस्य बनी हुई है।

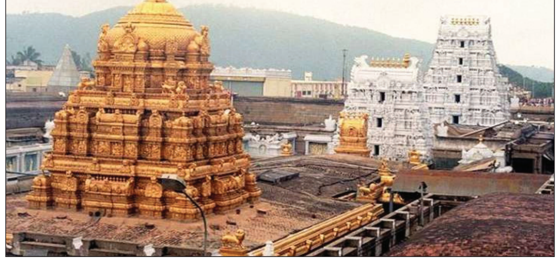

सर्दियों में लेना है स्नोफॉल का मजा तो जरूर जाएं भारत की इन 5 खूबसूरत जगहों पर

भारत में कई ऐसी जगहे हैं जो अपनी खूबसूरत वादियों और सर्दियों में बर्फबारी के लिए दुनियाभर में मशहूर हैं। अगर आप अपना विंटर वेकेशन प्लान कर रहे हैं और इस बार परिवार के साथ बर्फबारी का लुत्फ उठाना चाहते हैं तो आज हम आपको ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं आप स्नोफॉल का मजा ले सकते हैं-

शिमला: स्नोफॉल का जिक्र होते ही हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला का नाम सबसे पहले जहन में आता है। यह स्नोफॉल के लिए पूरी दुनिया में मशहूर है। यहां के हरे भरे पहाड़, ऊंची चोटियां ठंड के दिनों में बर्फ से पूरी तरह ढंककर और भी खूबसूरत दिखते हैं। शिमला को लॉन्ग मून नाइट्स यानी लंबी चांदनी रातों का मौसम भी कहा जाता है। दिसंबर से फरवरी के बीच यहां बर्फबारी का आनंद लिया जा सकता है। इस मौसम में आप यहां स्कींग का भी मज़ा ले सकते हैं। शिमला में आइस स्केटिंग दिसंबर से फरवरी तक होती है।

गुलमर्ग: धरती के स्वर्ग जम्मू-कश्मीर में स्थित गुलमर्ग बेहद खूबसूरत जगह है और यहां बर्फबारी का आनंद लेने का अनुभव बहुत खास होता है। सर्दियों के मौसम में गुलमर्ग में चारों तरफ बस बर्फ ही बर्फ दिखती है और इसकी खूबसूरती में चार चांद लग जाते हैं। सर्दियों के मौसम में गुलमर्ग में स्कीइंग करने वालों की भी भीड़ जुटती है। यहां की कुदरती खूबसूरती आपका मन मोह लेगी।

औली: उत्तराखंड का सबसे पुराना शहर औली बेहद सुंदर है। बर्फबारी के समय यह किसी स्वपनलोक सा दिखता है। औली भी अपनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ-साथ स्कीइंग के लिए मशहूर है। यहां देवदार पेड़ों की लंबी कतार है। बर्फ से ढके जंगलों के बीच सैर करके आप अपनी यात्रा को यादगार बना सकते हैं।

कुफरी: शिमला के अलावा हिमाचल प्रदेश में स्थित कुफरी भी स्नोफॉल के दौरान बहुत सुंदर दिखता है और लोग यहां स्कींग के लिए आते हैं। सर्दियों के मौसम में यहां सैलानियों की काफी भीड़ जुटती है। यहां लोग पहाड़ों के बीच रोमांच का मज़ा लेते हैं। हाइकिंग, स्कीइंग, खूबसूरत नजारे, देवदार के लंबे-लंबे पेड़ और सुहानी सर्द हवा का मज़ा लेना है तो कुफरी ज़रूर जाएं।

कुल्लू-मनाली: पॉप्युलर हनीमून डेस्टिनेशन कुल्लू मनाली में भी बर्फबारी का मज़ा लिया जा सकता है। हिमाचल प्रदेश का यह हिल स्टेशन भी लोगों के बीच काफी लोकप्रिय है। रोमांच के शौकीनों की तो यह पहली पसंद है। दिसंबर जनवरी में आकर यहां आप भी स्नोफॉल का आनंद ले सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

बगदाद हवाई अड्डे के पास सैन्य अड्डे पर रॉकेट से हमला, कोई हताहत नहीं

बगदाद। बगदाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बुधवार को इराकी सैन्य ठिकाने पर एक कत्यूषा रॉकेट आ कर गिरा। इस सैन्य ठिकाने में अमेरिकी सैनिक रहते हैं। इराकी सेना ने एक बयान में यह जानकारी दी। बयान में कहा गया कि हमले में जान माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। ईरान के शीर्ष जनरल कासिम सुलेमानी की अमेरिकी हवाई हमले में बगदाद में मौत के सोमवार को दो वर्ष होने के बाद से ये तीसरा हमला है। इराकी सेना ने बयान में कहा कि एक रॉकेट लॉन्चर और एक रॉकेट पश्चिमी बगदाद में रिहायशी इलाके में मिला।उस इलाके का इस्तेमाल अतीत में ईरान समर्थित लड़ाके हवाई अड्डे पर रॉकेट दागने के लिए करते थे। सोमवार को दो सशस्त्र ड्रोन को उस वक्त मार गिराया गया जब वे बगदाद हवाई अड्डे पर अमेरिकी सलाहकार के आवास की ओर बढ़ रहे थे। इसके बाद मंगलवार को भी विस्फोटक लदे दो ड्रोन को भी मार गिराया गया था।

अमेरिकी परमाणु वाहक पोत की कमान संभालने वाली पहली महिला बनीं नौसेना की कै. एमी बौर्नश्मिट

सैन डिएगो (अमेरिका)। अमेरिका नौसेना का विमानवाहक पोत ह्यूएसएस अब्राहम लिंकनह्न, कै एमी बौर्नश्मिट की कमान में इस सप्ताह तैनाती के लिए सैन डिएगो से रवाना हुआ। इसी के साथ बौर्नश्मिट अमेरिकी नौसेना के इतिहास में किसी परमाणु वाहक का नेतृत्व करने वाली पहली महिला बन गईं। सन 2016 से 2019 के बीच 'यूएसएस अब्राहम लिंकन' की कार्यकारी अधिकारी के रूप में पहले सेवाएं दे चुकीं बौर्नश्मिट ने पिछले साल अगस्त में एक समारोह के दौरान कै वाल्ट स्लाटर से कमान अपने हाथ में ली थी। विमान वाहक पोत अब्राहम लिंकन कैरियर स्ट्राइक ग्रुप के हिस्से के रूप में सोमवार को नेवल एयर स्टेशन नॉर्थ आइलैंड से तैनात किया गया। अमेरिकी नौसेना के बयान के अनुसार, बौर्नश्मिट ने कहा कि जब आपको पता चलता है कि आपको उन लोगों की देखभाल का काम दिया गया है, जिन्हें राष्ट्र की सुरक्षा के लिए चुना गया है, तो जिम्मेदारी का इससे अधिक विनम्र भाव और कुछ नहीं हो सकता।

न्यायाधीश ने एंड्र्यू के वकील की अधिकतर दलीलों को खारिज किया

न्यूयॉर्क । यौन शोषण के आरोपी प्रिंस एंड्र्यू के खिलाफ मामले की सुनवाई के दौरान न्यायाधीश ने एंड्र्यू के वकील की अधिकतर दलीलों को खारिज कर दिया।महिला ने मुकदमा दायर कर आरोप लगाया है कि जब वह 17 साल की थी तब प्रिंस एंड्र्यू ने उसका यौन शोषण किया था। अमेरिकी अदालत जज लुईस ए कापलान ने सुनवाई खत्म होने पर तुरंत फैसला नहीं सुनाया, लेकिन उन्होंने जिस प्रकार से प्रिंस के वकील एंड्र्यू ब्रेटलर की ज्यादातर दलीलों को खारिज किया, उससे यह स्पष्ट है कि वह एंड्र्यू के पक्ष में दी गई दलीलों से संतुष्ट नहीं हैं। ब्रेटलर ने कहा था कि मामला खारिज करने योग्य है। लेकिन न्यायाधीश कापलान ने बार-बार ब्रेटलर की दलीलों को खारिज कर दिया। न्यायाधीश ने निर्देश दिया कि मामले में संभावित सबूतों का आदान-प्रदान निर्धारित समय के अनुसार हो। पीड़ता वर्जीनिया गिफ्रे ने अगस्त में प्रिंस एंड्र्यू पर मुकदमा दायर करते हुए आरोप लगाया था कि 2001 में एपस्टीन और गिलैन मैक्सवेल की मदद से प्रिंस ने उनका यौन शोषण किया था। गिफ्रे की ओर से पेश हुए अटॉर्नी डेविड बोइस ने मुकदमे को खारिज करने के खिलाफ दलील दी। यौन शोषण के लिए महिलाओं की तस्करी के आरोपी 66 वर्षीय एपस्टीन ने 2019 में मैनहट्टन जेल में आत्महत्या कर ली थी, जबकि 60 वर्षीय मैक्सवेल को पिछले हफ्ते न्यूयॉर्क में संघीय अदालत में यौन शोषण के लिए महिलाओं की तस्करी और साजिश का दोषी ठहराया गया था।

इजराइली पीएम नफ्ताली बेनेट ने कहा, टीके की चौथी खुराक एंटीबॉडी में पांच गुना वृद्धि करती

यरूशलम । इजराइली प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट ने कहा कि कोरोना के खिलाफ टीके की चौथी खुराक के संबंध में प्रारंभिक आंकड़ों से साफ होता है, कि यह कोरोना से लड़ने वाले एंटीबॉडी में पांच गुना वृद्धि करता है। बेनेट ने शेबा मेडिकल सेंटर की यात्रा के दौरान यह बात कही। जहां इजराइल ने पिछले सप्ताह दूसरी बूस्टर खुराक का परीक्षण शुरू किया। इजराइल 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों तथा कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोगों को फाइजर टीके की चौथी खुराक की पेशकश कर रहा है, और ऐसा करने वाला वह पहला देश है। बेनेट ने कहा कि शुरूआती नतीजे बताते हैं कि चौथी खुराक तीसरी खुराक जितनी ही सुरक्षित है।इजरायल की 95 लाख की आबादी में से आधे हिस्से को पहले ही तीसरी खुराक दी जा चुकी है।

गैस की बढ़ती कीमतों से भड़की जनता हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद सरकार ने इस्तीफा दे दिया

अल्माटी । कजाखस्तान में गैस की बढ़ती कीमतों से भड़की जनता के हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद सरकार ने इस्तीफा दे दिया है। कजाखस्तान के राष्ट्रपति कासम झोमार्ट ने प्रधानमंत्री अस्कार मामिन के इस्तीफे को स्वीकार कर लिया है। इस बीच राष्ट्रपति की ओर से देश के सबसे बड़े शहर अल्माटी और पश्चिमी में दो सप्ताह के लिए आपातकाल की घोषणा कर दी गई है। आपातकाल के तहत रात के 11 बजे से सुबह के 7 बजे तक के लिए कर्फ्यू लगाकर वाहनों के आवागमन को प्रतिबंधित कर दिया गया है।यही नहीं लोगों के बड़े पैमाने पर इकट्ठा होने पर भी बैन लगाया है। राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार और सेना पर हमले के लिए आह्वान करना पूरी तरह से अवैध है। सरकार नहीं गिरेगी लेकिन हम चाहते हैं कि आपसी विश्वास हो और संवाद न कि विवाद। राष्ट्रपति यह बयान दे रहे थे, इनदिनों अल्माटी में पुलिस प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले और सुन्न करने वाले ग्रेनेड दाग रही थी। पुलिस की कोशिश थी कि हजारों की तादाद में मौजूद प्रदर्शनकारी मेयर के कार्यालय में न घुस पाएं। तेल से समृद्ध इस देश में सरकार ने मंगलवार देर शाम को ऐलान किया कि वह एलपीजी की कीमतों को बहाल कर रही है। इससे पहले नए साल पर अपनी तरह के दुर्लभ प्रदर्शन में प्रदर्शनकारी एलपीजी की कीमतों में वृद्धि के बाद प्रदर्शन करते हुए अल्माटी शहर पहुंच गए थे। इन प्रदर्शनों के बाद सरकार ने इस्तीफा दे दिया है और राष्ट्रपति ने संविधान के अनुच्छेद 70 के तहत इस इस्तीफे को स्वीकार कर लिया है।

शुरूवाती दौर में गर्भवती महिलाओं के वैक्सीन लेने से जोखिम में वृद्धि नहीं होती

अटलांटा । अमेरिकी सरकार की ओर से गर्भवती महिलाओं के कोरोना वैक्सीन पर प्रकाशित आंकड़ों में बताया गया है, कि टीकाकरण के कारण, समय से पहले जन्म या नवजात का आकार सामान्य से छोटा होने की आशंका नहीं बढ़ती है। रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र की रिपोर्ट 46,000 गर्भवती महिलाओं पर है। इसमें 10,000 महिलाएं ऐसी हैं, जिन्होंने गर्भावस्था के दौरान टीके की कम से कम एक खुराक ली है। इन आंकड़ों के अनुसार, समय से पहले जन्म दर 100 में सात है, जो कि दोनों समूह में तुलनीय है।वहीं बच्चों का आकार सामान्य से कम होने के संदर्भ में यह दर 100 में आठ बच्चे है।

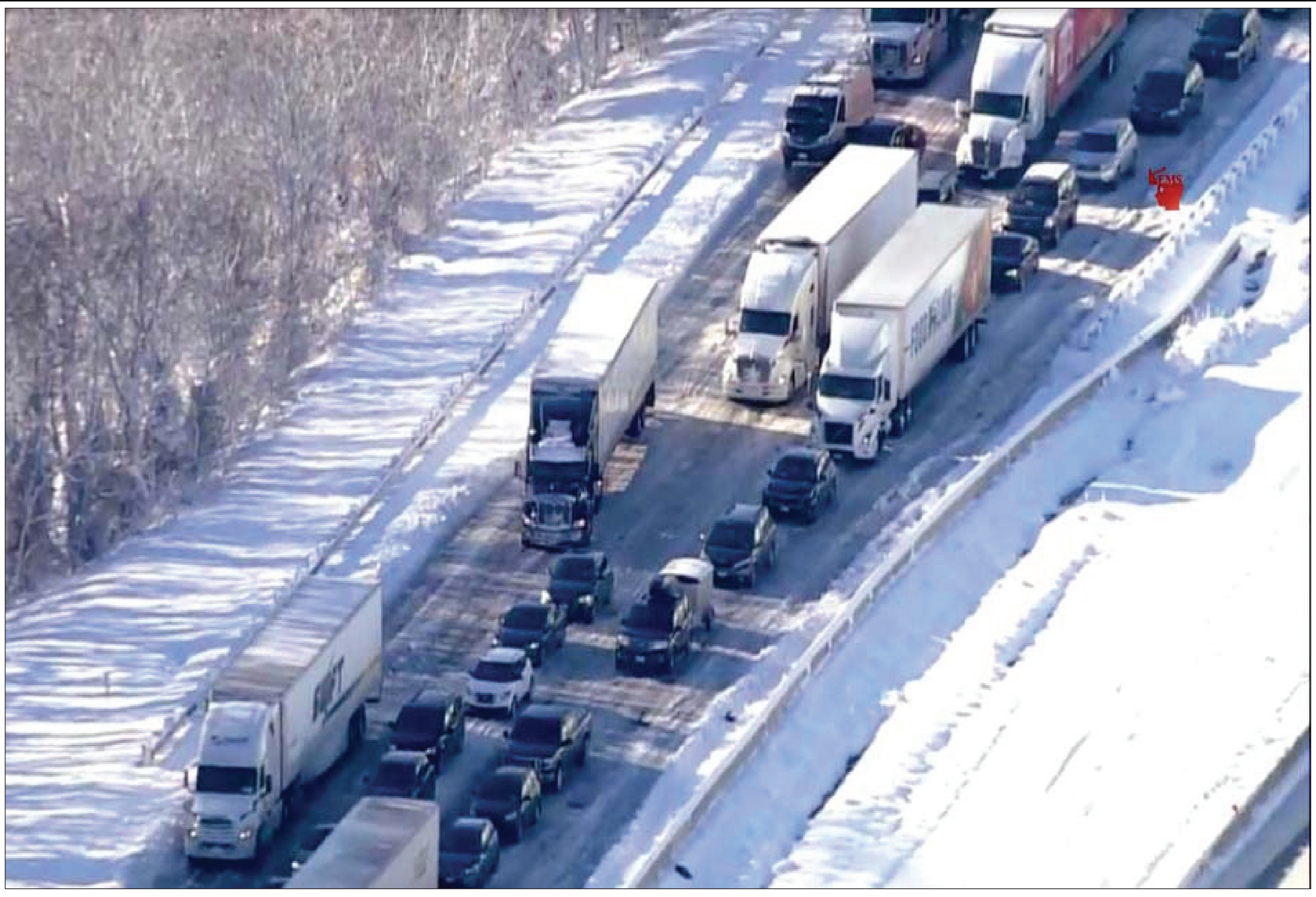

फेडिरिक्सबर्ग में हुए एक हादसे के बाद बर्फबारी के बीच ही कतार में लगे वाहन।

ट्रंप ने फ्लोरिडा में छह जनवरी को होने वाले अपने संवाददाता सम्मेलन को किया रद्द

न्यूयॉर्क (अमेरिका)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कैपिटल हिल (अमेरिकी संसद भवन) पर हमले का एक वर्ष पूरा होने के अवसर पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन रद्द कर दिया है। यह संवाददाता सम्मेलन फ्लोरिडा में छह जनवरी को होने वाला था। ट्रंप ने मंगलवार शाम एक बयान में कहा कि संवाददाता सम्मेलन के बजाय वह इस महीने के अंत में एरिजोना में एक रैली में अपनी बात लोगों के सामने रखेंगे। ऐसा माना जा रहा था कि संवाददाता सम्मेलन में ट्रंप छह जनवरी की घटनाओं की जांच कर रही कांग्रेस कमेटी के खिलाफ अपनी बात रखेंगे। गौरतलब है कि ट्रंप ने तीन नवंबर 2020 को हुए

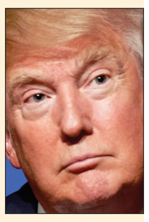

राष्ट्रपति चुनाव में हार स्वीकार नहीं की थी और उन्होंने चुनाव में धोखाधड़ी के आरोप लगाए थे। ट्रंप के इन आरोपों के बीच संसद भवन पर उनके समर्थकों ने छह जनवरी को कथित तौर पर हिंसा की थी। ट्रंप ने कहा, ह्यह्य छह जनवरी के मामले पर डेमोक्रेट्स की अचयनित समिति, दो असफल रिपब्लिकन और ह्यफेक न्यूज मीडियाह्न के पूर्वाग्रह और झूठ को देखते हुए, मैं छह जनवरी को मार-ए-लागो में अपने संवाददाता सम्मेलन को रद्द कर रहा हूं और इसके बजाय कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर 15 जनवरी को एरिजोना में मेरी रैली के दौरान बात करूंगा।

सूडान में प्रधानमंत्री के इस्तीफे के बाद उथल-पुथल के बीच तख्तापलट विरोधी प्रदर्शन जारी

काहिरा। (एजेंसी)

सूडान में इस सप्ताह की शुरूआत में प्रधानमंत्री के इस्तीफे के बाद देश में मची उथल-पुथल के बीच राजधानी खार्तूम और अन्य शहरों में लोग तख्तापलट के विरोध में सड़कों पर उतर आए। सुरक्षा बलों ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन के आसपास के क्षेत्र सहित राजधानी में कई स्थानों पर प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। राष्ट्रपति भवन के आसपास 25 अक्टूबर को तख्तापलट के बाद से विरोध प्रदर्शनों के दौरान कई बार झड़प हुई हैं। वीडियो में प्रदर्शनकारियों को सुरक्षा बलों पर पथराव करते और आंसू गैस के गोले दागते भी देखा गया।

हताहतों की तत्काल कोई सूचना नहीं है। तख्तापलट के बाद अब्दुल्ला हमदोक को प्रधानमंत्री के पद से हटा दिया गया था, लेकिन सेना के साथ एक समझौते के तहत केवल एक महीने बाद उन्हें पद पर बहाल

कर दिया गया था, जिसका उद्देश्य तनाव और तख्तापलट विरोधी प्रदर्शनों को शांत करना था। हमदोक ने रविवार को राजनीतिक गतिरोध के बीच यह कहकर पद छोड़ दिया कि वह सत्ताधारी सैन्य अधिकारियों और लोकतंत्र समर्थक आंदोलन के बीच समझौता करने में विफल रहे हैं। तख्तापलट के बाद से सूडान राजनीतिक रूप से पंगु हो गया है। लंबे समय से देश के निरंकुश शासक रहे उमर अल-बशीर और उनकी इस्लामी सरकार के खिलाफ आंदोलन के बाद उन्हें अप्रैल 2019 में सत्ता से हटाया गया था, जिसके करीब दो साल सेना ने तख्तापलट किया। अंतरराष्ट्रीय दबाव में सेना ने एक तकनीकी कैबिनेट का नेतृत्व करने के लिए नवंबर में हमदोक को बहाल किया, लेकिन इस समझौते ने अल-बशीर के खिलाफ विद्रोह के पीछे लोकतंत्र समर्थक आंदोलन को दरकिनार कर दिया। तब से हमदोक तख्तापलट और सेना के साथ हुए समझौते के खिलाफ लगातार विरोध के बीच मंत्रिमंडल का गठन करने में असमर्थ रहे। तख्तापलट की निंदा करते हुए खार्तूम और ओमडुरमान में मंगलवार को हजारों लोगों ने मार्च में हिस्सा लिया। ऑनलाइन पोस्ट की गई तस्वीरों में युवा प्रदर्शनकारी गाते, ढोल बजाते और सूडानी झंडा लहराते दिखे। पूर्वी शहर पोर्ट सूडान और दारफुर क्षेत्र सहित अन्य शहरों में भी इसी तरह के प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारियों के अनुसार, प्रदर्शन के मद्देनजर अधिकारियों ने खार्तूम और ओमडुरमान में प्रमुख सड़कों और मार्गों को बंद कर दिया।

ऐतिहासिक रक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए आज समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे आस्ट्रेलिया और जापान

सिडनी (अमेरिका)। (एजेंसी)

ऑस्ट्रेलिया और जापान रक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए गुरुवार को एक समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे। ऑस्ट्रेलिया और जापान के इस समझौते को ऐतिहासिक बताया जा रहा है, लेकिन यह समझौता चीन को नाराज कर सकता है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन और जापान के प्रधानमंत्री फुमिओ किशिदा एक डिजिटल सम्मेलन में समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे।

मॉरिसन ने कहा कि यह समझौता 'ऑस्ट्रेलियन डिफेंस फोर्स' और 'जापानीज सेल्फ डिफेंस फोर्सेस' के बीच महत्वपूर्ण और जटिल व्यावहारिक संबंधों को मजबूत करेगा। उन्होंने कहा ऑस्ट्रेलिया और जापान करीबी मित्र हैं। हमारी विशेष सामरिक साझेदारी पहले से अधिक मजबूत है, यह हमारे साझे मूल्यों, लोकतंत्र एवं मानवाधिकारों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को प्रतिबिम्बित करती है तथा एक स्वतंत्र, खुले और लचीले हिंद-प्रशांत क्षेत्र में हमारे साझा हितों को दशार्ती है।

ऑस्ट्रेलिया ने अमेरिका और ब्रिटेन के साथ ऑकस त्रिपक्षीय समझौता किया था। इसके तहत अमेरिका और ब्रिटेन ने परमाणु ऊर्जा से संचालित पनडुब्बियों को हासिल करने में ऑस्ट्रेलिया की मदद करने का संकल्प लिया था। इस समझौते ने चीन को नाराज कर दिया था। मॉरिसन ने बुधवार को जारी बयान में जापान के साथ होने वाले समझौते को ऐतिहासिक करार दिया और कहा कि यह समझौता दोनों देशों की सेनाओं के बीच बढ़ते सहयोग के लिए एक स्पष्ट रूपरेखा तैयार करेगा।

इजराइल ओमीक्रोन के बढ़ते मामलों की बीच टीके की चौथी खुराक देने पर विचार कर रहा

तेल अवीव। (एजेंसी)

इजराइल में कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन के बाद नए मामलों में इजाफा हो रहा है। वहीं देश कोविड रोधी टीके की चौथी खुराक भी देने पर विचार कर रहा है। संक्रमण के नए मामलों ने सरकार को उलझा दिया है और सरकार चंद दिनों में ही नियम बदल रही है। इजराइल के स्वास्थ्य मंत्रालय के शीर्ष जन स्वास्थ्य अधिकारी शोरॉन अलरॉय-प्रेइस ने देश के चैनल 13 पर इस हफ्ते कहा कि ओमीक्रोन की लहर पर कोई नियंत्रण नहीं है। यरुशलम में शारे जेदक मेडकिल केंद्र के प्रमुख जोनथन हलेवी ने कहा कि शायद संक्रमण से कोई भी सुरक्षित नहीं है।

नया लक्ष्य समाज के संवेदनशील लोगों को एक और लॉकडाउन लगाए बिना सुरक्षित रखना है और देश की सात महीने पुरानी प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट की सरकार इससे बचने के लिए मशक्कत कर रही है। प्रधानमंत्री ने रविवार को पत्रकार वार्ता में चेताया था कि आने वाले हफ्तों में नए मामले रिकॉर्ड स्तर तक बढ़ेंगे। सरकार नियमों को लेकर और उन्हें सार्वजनिक करने को लेकर उलझन में हैं। उन्होंने कहा कि वह हताशा और उलझन को समझते हैं लेकिन वायरस की वजह से सीमित विकल्प हैं। बेनेट ने कहा कि सरकार अधिक चुनौतीपूर्ण स्वरूप से निपटने के लिए सतर्क है। इसमें कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले और कम से कम 60 वर्ष की आयु के लोगों को टीके की चौथी खुराक देने का सरकार का निर्णय शामिल है। माना जाता है कि इजराइल दुनिया का पहला देश है जो बूस्टर के लिए दूसरी खुराक यानी चौथी खुराक की पेशकश कर रहा है। बेनेट ने मंगलवार को ऐलान किया था कि शेबा मेडिकल केंद्र में हुए शुरूआती अध्ययन के मुताबिक, टीके की चौथी खुराक एंटीबॉडी उत्पन्न करने में पांच गुना का इजाफा करती है।

इमरान खान की पार्टी ने निर्वाचन आयोग से विदेशों से मिले चंदे की जानकारी छुपाने की कोशिश की: रिपोर्ट

इस्लामाबाद। (एजेंसी)

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तकरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने देश के निर्वाचन आयोग को विदेशी नागरिकों एवं कंपनियों से मिली निधि की पूरी जानकारी नहीं दी और अपने खातों संबंधी जानकारी भी छुपाई। मीडिया की खबर में निर्वाचन आयोग द्वारा संकलित एक रिपोर्ट के हवाले से बुधवार को यह दावा किया गया। ह्यडॉनह्न समाचार पत्र ने ह्यस्क्रूटनी कमेटी ऑफ द इलेक्शन कमीशन ऑफ पाकिस्तानह्न (ईसीपी) द्वारा संकलित रिपोर्ट के हवाले से बताया कि सत्तारूढ़ दल ने वित्त वर्ष 2009-10 और वित्त वर्ष 2012-13 के बीच चार साल की अवधि में 31 करोड़ 20 लाख पाकिस्तानी रुपए के चंदे संबंधी जानकारी छुपाई।

समाचार पत्र के अनुसार, वार्षिक जानकारी से खुलासा हुआ कि केवल वित्त वर्ष 2012-13 में करीब 14 करोड़ 50 लाख डॉलर कम राशि बताई गई। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) द्वारा समिति को उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के पास 26 बैंक खाते थे। समिति की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2008 से 2013 के बीच पार्टी ने ईसीपी को 1.33 अरब पाकिस्तानी रुपए की धनराशि की जानकारी दी थी, जबकि पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक एसबीपी की एक रिपोर्ट में वास्तविक राशि 1.64 अरब पाकिस्तानी रुपए थी। पार्टी ने ईसीपी को उपलब्ध कराए गए दस्तावेजों में तीन बैंक के ब्योरे का भी खुलासा नहीं किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान में करीब 1,414 कंपनियों, 47 विदेशी कंपनियों और 119 संभावित कंपनियों ने खान की पार्टी को चंदा दिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसे अमेरिका से भी 23 लाख, 44 हजार, 800 डॉलर मिले थे, लेकिन समिति पार्टी के अमेरिकी बैंक खातों तक नहीं पहुंच सकी।

पार्टी को यह निधि देने वालों में 4,755 पाकिस्तानी, 41 गैर-पाकिस्तानी और 230 विदेशी कंपनियां शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका के अलावा, खान की पार्टी को दुबई, ब्रिटेन, यूरोप, डेनमार्क, जापान, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया से भी निधि मिली, लेकिन समिति को इन लेन-देन की जानकारी नहीं दी गई। सूचना और प्रसारण मंत्री फवाद चौधरी ने मंगलवार को एक बैठक में जांच समिति की रिपोर्ट को गलत करार दिया और पाकिस्तान मुस्लिम लीग (एन) और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी जैसे विपक्षी राजनीतिक दलों के खातों की भी जांच किए जाने की मांग की। ह्यडॉनह्न समाचार पत्र ने बताया कि ईसीपी ने नौ महीनों के बाद मंगलवार को सत्तारूढ़ दल के खिलाफ विदेशी चंदे संबंधी मामले की सुनवाई शुरू की थी और इसी दौरान यह रिपोर्ट पेश की गई थी। इस मामले में आगे की सुनवाई 18 जनवरी को होगी।

चीन में जनसांख्यिकीय संकट! युवा नहीं करना चाहते शादी, बच्चे बैदा करने से भी बना रहे दुरी

बीजिंग। (एजेंसी)

चीन के प्रांतीय स्तर के 10क्षेत्रों में 2020 में जन्म दर एक प्रतिशत से नीचे गिर गई। यह स्थिति नई नीति के तहत दंपतियों को एक से अधिक बच्चे पैदा करने के लिए प्रेरित करने के प्रयासों के बावजूद दुनिया के सर्वाधिक आबादी वाले देश की जनसांख्यिकीय संकट संबंधी दुविधा के और गहराने का संकेत है। चीन ने पिछले साल अगस्त में तीन बच्चों की नीति को एक प्रमुख नीतिगत बदलाव के रूप में पारित किया था जो कि दशकों पुरानी एक बच्चे की नीति से उत्पन्न जनसांख्यिकीय संकट को दूर करने के लिए है। चीन ने 2016 में एक बच्चे की नीति को खत्म करते हुए सभी दंपतियों को दो बच्चे पैदा करने की अनुमति दी थी और एक दशक में एक बार हुई जनगणना के बाद तीन बच्चे पैदा करने की अनुमति देने के लिए इस नीति को संशोधित किया गया।

जनगणना के अनुसार, चीन की आबादी सबसे धीमी गति से बढ़कर 1.412 अरब हो गई। नए जनगणना के आंकड़ों से पता चलता है कि चीन को जिस जनसांख्यिकीय संकट का सामना करना पड़ रहा है, वह और गहरा सकता है क्योंकि 60 साल से ऊपर की आबादी बढ़कर 26.400 करोड़ हो गई, जो 2020 में 18.7 प्रतिशत बढ़ी। तीन बच्चों की नीति के समर्थन के बाद, चीन के प्रांतीय स्तर के 20से अधिक क्षेत्रों ने संशोधनों को पूरा कर लिया है और मातृत्व अवकाश, विवाह अवकाश तथा पितृत्व अवकाश की संख्या में वृद्धि करने जैसे सहायक उपाय किए हैं। सांख्यिकीय वार्षिक पुस्तक के अनुसार, चीन के प्रांतीय स्तर के 10 क्षेत्रों में जन्म दर 2020 में एक प्रतिशत से नीचे गिर गई। सबसे अधिक आबादी वाले प्रांतों में से एक हेनान में 1978 के बाद बच्चों के पैदा होने की संख्या पहली बार दस लाख से नीचे गिर गई। ह्यचाइना स्टैटिस्टिकल ईयरबुक 2021ह्न के मुताबिक, 2020 में चीन की जन्म दर प्रति 1,000 लोगों पर 8.52 दर्ज की गई, जो 43 वर्षों में सबसे कम है। जनसंख्या की प्राकृतिक वृद्धि दर प्रति 1,000 लोगों पर 1.45 रही, जो 1978 के बाद से एक नया निम्न स्तर है। वर्ष 2020 की जन्म दर प्रकाशित करनेवाले प्रांतीय स्तर के 14 क्षेत्रों में से सात में हालांकि जन्म दर राष्ट्रीय औसत से अधिक दर्ज की गई।

इन प्रांतों में दक्षिण-पश्चिमी गुइझोउ प्रांत और गुआंग्शी जुआंग स्वायत्त क्षेत्र भी शामिल हैं। हालांकि, चीन के पूर्वी जिआंगसू प्रांत जैसे कुछ विकसित क्षेत्रों में जन्म दर राष्ट्रीय स्तर से नीचे रही, जो प्रति 1,000 लोगों पर 6.66है। बीजिंग और तियानजिन में प्रति 1,000 लोगों पर जन्म दर क्रमशः 6.98 और 5.99 देखी गई। चीन के रेनमिन विश्वविद्यालय के जनसंख्या और विकास अध्ययन केंद्र के सोंग जियान ने कहा कि कोविड-19 जन्म दर को प्रभावित करने वाले कारकों में से एक है।

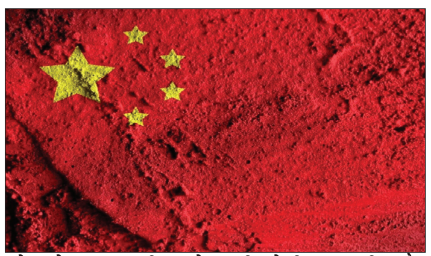

सोंग ने कहा, चीन को बूढ़ी होती आबादी और लोगों की पसंद में बदलाव सहित विभिन्न चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। कई कारकों के चलते निम्न जन्म दर जारी रहेगी। कुछ विशेषज्ञों ने दावा किया कि 1990 के बाद पैदा हुए बहुत से लोग आवास की कमी के कारण शादी नहीं करना चाहते हैं और न ही बच्चे पैदा करना चाहते हैं। उनका कहना है कि देश को युवा दंपतियों को और अधिक बच्चे पैदा करने के वास्ते प्रोत्साहित करने के लिए और अधिक उपायों की आवश्यकता है।

गहराता जा रहा है श्रीलंका का आर्थिक संकट, दिवालिया होने की कगार पर है खड़ा

नई दिल्ली। श्रीलंका के लिए नया साल भी बुरे सपने की तरह ही शुरू हुआ है। वह कहते हैं ना तारीख बदलने से तवारीख में तब्दीली नहीं आ जाती। कहने का मतलब है पिछला साल खत्म होने और नया साल शुरू होने से सब कुछ एकदम से नहीं बदल सकता। श्रीलंका के पांव अब आर्थिक संकट के ऐसे दलदल में फंस रहे हैं कि वह कोशिश के बावजूद इस आर्थिक संकट से नहीं निकल पा रहा है। इसमें आप श्रीलंका की अतीत में की गई गलतियों को देख सकते हैं। अतीत की गलतियों का रिश्ता सीधे तौर पर वर्तमान से होता है। श्रीलंका का आर्थिक संकट अब भयावह रूप ले चुका है और वह दिवालिया होने की कगार पर खड़ा है। आपको बता दें कि श्रीलंका क्षेत्रफल के मामले में तमिलनाडु से भी लगभग आधा है। यहां की आबादी सवा दो करोड़ के करीब है। श्रीलंका के आर्थिक संकट में घिरने का कारण कोविड महामारी तो है क्योंकि इस दौरान श्रीलंका का पर्यटन क्षेत्र पूरी तरह से चौपट हो गया। आपको बता दें कि, श्रीलंका की जीडीपी में उसके पर्यटन क्षेत्र का योगदान 10प्र. है। लेकिन आर्थिक संकट में घिरने की एक दूसरी वजह चीन से लिए हुए कर्ज भी हैं। चीन के बारे में हमेशा है यह कहा जाता है कि वह देशों को कर्ज के जाल में उलझाता है और उसके बाद उन देशों से अपने मन मुताबिक नीतियां बनवाता है। श्रीलंका को अपना हंबनटोटा पोर्ट चीन को 100 साल लीज की पर देना पड़ा क्योंकि वह चीन का कर्ज नहीं चुका पाया था। लेकिन अब भी श्रीलंका पर चीन का कर्ज बाकी है। आपको बता दें कि, श्रीलंका की सत्ता इस वक्त राजपक्षे परिवार के हाथ में है। महिंदा राजपक्षे श्रीलंका के प्रधानमंत्री है।वहीं गोटभाया राजपक्षे राष्ट्रपति हैं। ऐसे में इस सरकार पर सवाल उठने लाजमी है क्योंकि श्रीलंका का आर्थिक संकट अब मानवीय संकट में तब्दील होता नजर आ रहा है। महंगाई रिकॉर्ड स्तर पर बढ़ रही है। खाने पीने की चीजें लोगों की पहुंच से बाहर होती जा रही है। कोविड में पर्यटन उद्योग चौपट हो गया, और बढ़ते कर्ज के बोझ के चलते सरकारी खजाना भी खाली हो चुका है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इस महामारी की पिछली लहरों से सीखे सबक लागू करने के लिए तत्परता की भावना अपनाने का आह्वान किया

स्वास्थ्य में भारत-अमेरिका सहयोग से पूरी दुनिया लाभान्वित हो सकती है': नायडू

नई दिल्ली ।

उपराष्ट्रपति एम.वेंकैया नायडू ने आज कोविड मामलों में आए नए उछाल से निपटने और इस महामारी की पिछली लहरों से सीखे सबक लागू करने के लिए तत्परता की भावना अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हमें हर समय कोविड प्रोटोकॉल का पालन करने के लिए इसे अपना 'धर्म' और 'कर्तव्य' मानना चाहिए। उन्होंने मास्क पहनने, शारीरिक दूरी बनाए रखना और टीका लगवाना तथा स्वयं एवं अपने समुदाय को सुरक्षित रखने पर भी जोर दिया। 15-18 वर्ष के आयु समूहों के टीकाकरण के उपाय के महत्व को देखते हुए, श्री नायडू ने नए पात्र आयु वर्ग के बच्चों के माता-पिता से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों को जल्द से जल्द टीका लगवाएं। उन्होंने सार्वजनिक विचारधारा वाले व्यक्तियों, सामाजिक समर्थन करने वाले समूहों, चिकित्सा पेशेवरों और सरकार से अधिक-से-अधिक लोगों तक पहुंचने तथा वैक्सीन के बारे में किसी प्रकार की उस झिझक से छुटकारा पाने का आह्वान किया, जो महामारी के खिलाफ सामूहिक लड़ाई में भारत को रोक सकती हैं। अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडियन ओरिजिन (एएपीआई) द्वारा आयोजित 15वें वैश्विक स्वास्थ्य शिखर सम्मेलन के लिए रिकॉर्ड किए गए उद्घाटन संदेश में, उपराष्ट्रपति ने भारतीय मूल के चिकित्सा पेशेवरों की ''दुनिया के हर कोने में अपनी पहचान बनाने'' और वसुधैव कुटुम्बकम के बारे में हमारे राष्ट्र के सभ्यतागत मूल्य का मानवीकरण होने के लिए प्रशंसा की। नायडू ने कहा कि विशेष रूप से अमेरिका में, भारतीय मूल के चिकित्सकों ने एक शानदार प्रतिष्ठा अर्जित की है और उनमें से कई इस देश में शीर्ष प्रशासनिक पदों पर आसीन हैं। वे भारत की मूल्य प्रणालियों के सबसे सफल राजदूतों में से हैं।

यह देखते हुए कि भारतीय फर्मों ने हाल ही में स्वीकृत वैक्सीनों - कॉर्बेवैक्स और कोवोवैक्स का उत्पादन करने के लिए अमेरिका में आधारित संगठनों के साथ सहयोग किया है, श्री नायडू ने कहा कि यह अनुभव स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि स्वास्थ्य सेवा में भारत-अमेरिका सहयोग न केवल हमारे देशों के लिए, बल्कि पूरे विश्व के लिए लाभ अर्जित कर सकता है। उपराष्ट्रपति ने यह चिंता व्यक्त की हे कि शहरी क्षेत्रों में तृतीयक देखभाल में प्रौद्योगिकी मौजूद है जो अंतर्राष्ट्रीय रोगियों को आकर्षित करती है, लेकिन यह चिंताजनक है कि ग्रामीण क्षेत्र प्राथमिक देखभाल तक ही सीमित पहुंच होने के कारण इस बारे में पिछड़ रहे हैं।

जिसकी लगी आपकों वैक्सीन,उसी का लगेगा आपको बूस्टर डोज

नई दिल्ली ।

भारत ने पिछले 8 दिनों में कोरोना के संक्रमण के मामलों में 6.3 गुना से अधिक की वृद्धि दर्ज की है। वहीं संक्रमित रेट 29 दिसंबर 2021 को 0.79 प्रतिशत थी, जो 5 जनवरी को 5.03 प्रतिशत हो गई है। यह बहुत ही तीव्र वृद्धि है।इसकी बात स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने कही। अग्रवाल ने कहा कि जो राज्य देश के लिए चिंता की वजह बन रहे हैं,उसमें महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, दिल्ली, केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, झारखंड और गुजरात हैं, जहां मामलों में वृद्धि हुई है।देश के 28 जिलों में साप्ताहिक संक्रमण दर 10 प्रतिशत से अधिक है। 7.40 करोड़ 15-18 साल के बच्चे वैक्सीन लगवाने के योग्य हैं, और उनके वैक्सीनेशन की तैयारी शुरू हो गई है। उन्होंने कहा कि 4 जनवरी को दुनिया भर में कोरोना के 25.2 लाख मामले दर्ज किए गए, जो महामारी की शुरुआत के बाद से अभी तक के सबसे अधिक मामले हैं।4 जनवरी को समाप्त सप्ताह में लगभग 65 प्रतिशत मामले संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, इटली और स्पेन से सामने आए। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बताया गया कि विश्व में अबतक ओमिक्रान वैरिएंट से 108 लोगों की मौत हो चुकी है। देश में ओमिक्रान से जो मौत हुई है, वह तकनीकी रूप से ओमिक्रान से ही मौत है लेकिन वह व्यक्ति बहुत बुजुर्ग थे और कई बीमारियों से पीड़ित भी थे। उन्होंने बताया कि वैक्सीन के नियमों में कोई बदलाव नहीं किया गया हैं, अपने पहले कोवैक्सीन लिया है,तब आपको बूस्टर डोज भी उसी का मिलेगा और अगर कोविशील्ड लिया है,तब उसी का बूस्टर डोज दिया जायेगा। देश में कोरोना के मामले बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं लेकिन हमें ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं है क्योंकि विदेश में जहां कहीं भी इसके मामले ज्याद बढ़े हैं वहां अस्पताल में भरती होने की जरूरत नहीं पड़ी है।

भारतीय खेल प्राधिकरण ने 117 एथलीटों के लिए राष्ट्रीय शिविर 31 मार्च तक बढ़ाने की स्वीकृति दी

नई दिल्ली । भारतीय खेल प्राधिकरण ने इस वर्ष बर्मिंघम में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों और हांग्जोऊ में होने वाले एशियाई खेलों की तैयारी के लिए देश भर में पांच स्थानों पर 117 ट्रैक एंड फील्ड एथलीटों और 45 कोचिंग और सहायक कर्मचारियों के लिए राष्ट्रीय शिविर को 31 मार्च तक बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। 64 पुरुष और 53 महिला एथलीटों के लिए राष्ट्रीय शिविर नेताजी सुभाष नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स (पटियाला), लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय (तिरुवनंतपुरम), भारतीय खेल प्राधिकरण-साई राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (बेंगलुरु), जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम (नई दिल्ली) और ऊषा स्कूल ऑफ एथलेटिक्स (बालुसरी) में हो रहे हैं। 17 वर्ष की उम्र में, विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप में लंबी कूद की रजत पदक विजेता शैली सिंह शिविर में सबसे कम उम्र की एथलीट हैं। सीमा पुनिया, जिन्होंने 2002 में विश्व जूनियर चैंपियनशिप में डिस्कस थ्रो स्पर्धा का कांस्य पदक जीता था और पिछले चार राष्ट्रमंडल खेलों में से प्रत्येक में पोडियम पर रही हैं, शिविर में सबसे अनुभवी एथलीट हैं। टोक्यो ओलंपिक खेलों के भाला फेंक के स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा संयुक्त राज्य अमेरिका के चुला विस्टा में कोच डॉ. क्लॉस बार्टोनिट्ज़ के साथ प्रशिक्षण ले रहे हैं।

सिद्धू की बयानबाजी से नाराज पंजाब के कांग्रेस नेताओं ने शीर्ष नेतृत्व से की शिकायत

चंडीगढ़ ।

पंजाब समेत पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। चुनाव आयोग जल्द ही इसकी घोषणा कर सकता है। इसके बावजूद पंजाब कांग्रेस में जारी अंतर्कलह समाप्त होने का नाम नहीं ले रही है। कांग्रेस नेताओं को लगता है कि प्रदेश अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू की बयानबाजी के चलते पार्टी को आगामी चुनाव में नुकसान हो सकता है। ऐसे में उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा, भारत भूषण आशु, परगट सिंह और अमरिंदर सिंह वडिंग ने कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल से मुलाकात की और मांग की कि राज्य संगठन में एकता सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही सिद्धू की बयानबाजी पर लगाम लगाई जाए। माना जा रहा है कि पंजाब कांग्रेस के कुछ वरिष्ठ मंत्रियों और नेताओं ने वेणुगोपाल के साथ हुई बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति पर भी चर्चा की है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक, इस बैठक का मुख्य मुद्दा सिद्धू से जुड़ा हुआ है। हाल ही में सुखजिंदर सिंह रंधावा ने दावा किया कि सिद्धू उनसे नाराज चल रहे हैं। उन्होंने कहा जब से मैं गृहमंत्री बना हूं तब से सिद्धू मुझसे से नाराज चल रहे हैं। सिद्धू अगर गृह मंत्रालय चाहते हैं, तो मैं पद छोड़ने को तैयार हूं।

रैली और रोड शो को प्रतिबंधित लगा सकता हैं चुनाव आयोग

नई दिल्ली ।

आगामी चुनावों और कोरोना के खतरे को देखकर चुनाव आयोग, 5 चुनावी राज्यों में प्रचार रैली और रोड शो को प्रतिबंधित कर सकता है। चुनाव आयोग ने कहा कि इन मुद्दों पर अभी कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। इनके परिणामों पर चर्चा हो रही है। आयोग ने कहा कि कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखकर रैली और रोड शो पर रोक लगाने पर भी मंथन कर रहा है। आयोग ने कोई अब तक अंतिम फैसला नहीं किया है लेकिन कोरोना के बढ़ते मामले को लेकर आयोग गंभीर है।दरअसल चुनाव आयोग, पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव को लेकर कोरोना गाइडलाइन और प्रोटोकॉल पर चर्चा कर रहा है।इसी चर्चा के दौरान रैली पर और रोड शो पर प्रतिबंध लगाने के विकल्प पर भी मंथन चल रहा है।

आयोग मामले पर विचार कर रहा है कि क्या राज्य आपदा प्रबंधन कानून के तहत अधिकारियों को चुनाव के दौरान भीड़ मैंनेजमेंट का अधिकार दिया जाए।इस बीच पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस वाई कुरैशी ने चुनाव आयोग से रैली और रोड शो पर प्रतिबंध लगाने और चुनाव को न टालने की मांग की है।

उन्होंने कहा कि रैली और रोड शो पर प्रतिबंध लगने की स्थिति में राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों को परंपरागत तरीके से चुनाव प्रचार करना होगा। इसके अलावा राजनीतिक दलों के बड़े नेता वर्चुअल माध्यम से छोटे-छोटे समूह को संबोधित कर सकते हैं। चुनाव आयोग सभी विकल्पों को देख रहा है।

ओमिक्रॉन के बढ़ते मामलों के बीच 67 फीसदी कर्मचारी घर से काम करने के इच्छुक

नई दिल्ली ।

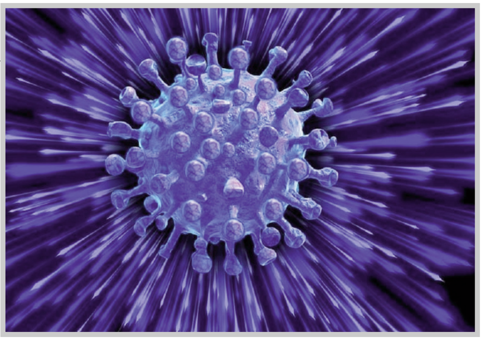

देश में ओमिक्रॉन के बढ़ते मामलों के बीच ऑफिस में काम करने वाले 67 फीसदी कर्मचारी वर्क फ्रॉम होम यानि घर से काम करने के इच्छुक हैं।इन लोगों का कहना है कि ओमिक्रॉन के मद्देनजर वर्क फ्रॉम होम को अनिवार्य करना चाहिए। हर 3 में से 2 कर्मचारी घर से काम करने की इच्छा रखते हैं।सर्वे से पता चला है कि 58 प्रतिशत कर्मचारी जो कि मौजूदा समय में अपने ऑफिस में काम कर रहे हैं।उसमें से 36 फीसदी लोगों का कहना है कि उनके कार्यालय में एयर वेंटिलेशन की बेहतर व्यवस्था है। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सतेंद्र जैन ने कहा है कि दिल्ली में आने वाले ज्यादातर मामले ओमिक्रॉन वेरिएंट से जुड़े हैं और जिनोम सिक्वेंसिंग के नतीजों से इस बात का पता चला है। दरअसल अमेरिका में महामारी नियंत्रण और रोकथाम केंद्र ने चेतावनी देकर कहा है कि सोर्स-सीओवी-2 के सूक्ष्म कण आउटडोर की अपेक्षा इनडोर एरिया में ज्यादा तेजी से फैलता है।इसकारण ज्यादातर भारतीय जो कि ऑफिस में बड़ी संख्या और भीडभाड़ के बीच काम करते हैं उनकी चिंताएं बढ़ गई हैं। क्योंकि कई ऑफिस में भीड़ के अलावा एयर वेंटिलेशन की पर्याप्त व बेहतर व्यवस्था नहीं है।सर्वे में ऑफिसेज़ में एयर वेंटिलेशन की समुचित व्यवस्था, वर्क फ्रॉम होम पर कर्मचारियों की राय समेत कई मुद्दे शामिल रहे। इस सर्वे में 28 हजार कर्मचारियों ने अपनी प्रतिक्रिया दी। इनमें से 63 फीसदी प्रतिभागी पुरुष थे जबकि 37 प्रतिशत महिलाएं थीं। देश में ओमिक्रॉन के बढ़ते मामलों और ऑफिस में भीड़-भाड़ व एयर वेंटिलेशन की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने जैसी बातों को ध्यान में रखते हुए इस सर्वे में शामिल 67 फीसदी लोगों ने यह कहा है कि सरकार को डेस्क जॉब करने वाले लोगों के लिए वर्क फ्रॉम होम अनिवार्य कर देना चाहिए।

काशी विश्वनाथ में भारी भीड़ शिवलिंग के स्पर्श पर स्थाई रोक की तैयारी

वाराणसी ।

पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में काशी विश्वनाथ धाम के लोकार्पण के बाद से भारी भीड़ उमड़ रही है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए मंदिर और जिला प्रशासन को मशक्कत करनी पड़ रही है। लगातार उमड़ रही भारी भीड़ को देखते हुए बाबा के स्पर्श और गर्भगृह में प्रवेश पर स्थाई रोक की तैयारी हो रही है। भक्तों को बाहर से ही झांकी दर्शन कराई जाएगी। जलाभिषेक के लिए गर्भगृह के पास विशेष पात्र लगाए जाएंगे। काशी विश्वनाथ धाम के लोकार्पण के बाद श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या के मद्देनजर वरिष्ठ अधिकारियों ने मंथन शुरू कर दिया है। झांकी दर्शन के लिए शासन से अनुमति के लिए प्रस्ताव भी तैयार किया जा रहा है। विश्वनाथ धाम के लोकार्पण से पूर्व ही मंदिर के आसपास के क्षेत्र के सुंदरीकरण कार्य व शिखर की सफाई के दौरान ही गर्भगृह में आमभक्तों के प्रवेश में पाबंदी लगा दी गयी थी। नए साल के पहले दिन उमड़ी भारी भीड़ के कारण तो आसपास के इलाकों में भी पैर रखने की जगह नहीं बची थी। गर्भगृह के चारों प्रवेश द्वार पर बैरिकेड कर दिया गया है। पीतल के विशेष पात्र (अर्घ्या) के जरिए भक्तों को जलाभिषेक व दुग्धाभिषेक कराया जा रहा है। मंदिर प्रशासन भक्तों को दबाव को देखते हुए इस व्यवस्था को स्थायी तौर पर लागू करने की तैयारी में है। अधिकारियों की मानें तो काशी विश्वनाथ धाम के लोकार्पण के बाद सामान्य दिनों से पांच से आठ गुना ज्यादा भक्त पहुंच रहे हैं। फरवरी में पूरी तरह धाम खुलने के बाद निश्चित ही यह संख्या और बढ़ जाएगी। गर्भगृह में सभी भक्तों को प्रवेश कराकर पूजन कराने में विगत दिनों पुलिस व प्रशासन पसीना-पसीना हो गया था। बाहर से पहुंच रहे भक्तों की बड़ी संख्या के मद्देनजर मंदिर प्रशासन ने वीआईपी दर्शन पर रोक लगाने के साथ ही काशीवासियों से सुबह 7 से 9 बजे तक दर्शन-पूजन नहीं करने की अपील की है। इन तमाम कवायद के बावजूद भक्तों की संख्या में कोई कमी नहीं है। लिहाजा, मंदिर प्रशासन अब स्थायी तौर पर भक्तों को गर्भगृह के बाहर से ही पूजन कराने की व्यवस्था शुरू कराएगा। हालांकि इस सम्बंध में मंदिर के अधिकारियों का कहना है कि वर्तमान में झांकी दर्शन की व्यवस्था फौरी तौर पर लागू है। शासन के निर्देश पर स्थायी रूप से दर्शन कराने पर निर्णय लिया जाएगा।

उत्तर प्रदेश में सात ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस बनाए जाने की घोषणा की

अगले पांच सालों में यूपी को पांच लाख करोड़ रुपये सड़क बनाने के लिए देंगे - नितिन गडकरी

लखनऊ ।

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कि कहा है कि अगले पांच सालों में यूपी को पांच लाख करोड़ रुपये सड़क बनाने के लिए देंगे। उन्होंने उत्तर प्रदेश में सात ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस बनाए जाने की घोषणा की है। बुधवार को कानपुर, लखनऊ व प्रयागराज को केंद्र में रखकर 26778 करोड़ रुपये की लागत से 821 किमी राष्ट्रीय राजमार्गों का लोकार्पण, शिलान्यास व निर्माण कार्य का शुभारंभ करने पहुंचे नितिन गडकरी ने कहा अभी तो यह सिर्फ ट्रेलर है, पूरी फिल्म बाकी है। यूपी का रोड इंफ्रास्ट्रक्चर अमेरिका के बाराबर होगा। ऐसा करने के लिए यहां डबल इंजन (मोदी-योगी) की सरकार जरूरी है, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार यूपी के सर्वांगीण विकास के लिए कटिबद्ध है। लखनऊ में अमौसी मेट्रो के निकट आयोजित लोकार्पण व शिलान्यास समारोह में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री ने कहा कि यूपी में सात नए ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे बनाए जा रहे हैं। उन्होंने यूपी में बॉयो फ्यूल उत्पादन की दिशा में किए जा रहे सफल प्रयासों की तारीफ करते हुए कहा कि अब देश में दोपहिया-चारपहिया वाहन उत्तर प्रदेश के किसानों द्वारा बनाए गए बायो इथेनॉल से चलेंगे। इससे किसानों के साथ यह प्रदेश भी और समृद्ध होगा।

गोरखपुर से सिलीगुड़ी (बंगाल) तक ग्रीनफील्ड एक्सेस कंट्रोल एक्सप्रेस हाईवे की घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि यह एक्सप्रेस हाईवे गोरखपुर बाईपास से बिहार होकर सिलीगुड़ी जाएगा। 519 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेसवे 32 हजार करोड़ रुपये होगा। इसका कार्य 6 महीने में शुरू हो जाएगा। यह एक्सप्रेसवे यूपी, बिहार, बंगाल के पिछड़े क्षेत्रों से गुजरेगा। उत्तर प्रदेश में इसकी लंबाई 84 किलोमीटर, बिहार में 416 किलोमीटर, बंगाल में 18 किलोमीटर होगी, इसकी डीपीआर सितंबर 2022 में पूरी हो जाएगी।

उन्होंने इटावा से कोटा तक उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान को जोड़ने के लिए चंबल एक्सप्रेसवे की घोषणा की। साथ ही कहा कि वाराणसी-कोलकाता के ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे को पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से जोड़ने का कार्य किया जाएगा। गाज़ीपुर से 5 हजार करोड़ की लागत से 30 किलोमीटर एलिवेटेड रोड बनाकर वाराणसी-कोलकाता एक्सप्रेसवे से जोड़ा जाएगा। लखनऊ से कानपुर हाईवे का काम दिसंबर 2022 से शुरू हो जाएगा, कानपुर शुक्लागंज से लखनऊ रिंग रोड में जुड़ेगा। चंबल एक्सप्रेस वे 8 हजार करोड़ की लागत से 358 किलोमीटर लम्बा इटावा से शुरू होकर, श्योपुर मध्यप्रदेश के साथ भिंड मुरैना से होकर कोटा जाएगा। यह एक्सप्रेसवे दिल्ली, मुम्बई कॉरिडोर से जुड़ेगा।

संक्षिप्त समाचार

वित्तवर्ष 2021-22 में अब तक अटल पेंशन योजना में 65 लाख से अधिक लोगों ने नाम दर्ज कराया

नई दिल्ली ।

अटल पेंशन योजना (एपीवाई) की स्थापना के साढ़े छह साल से अधिक की यात्रा में 3.68 करोड़ लोगों ने इसमें अपना नाम दर्ज कराया है। इस वित्त वर्ष में प्रदर्शन अच्छा रहा क्योंकि 65 लाख से अधिक लोगों ने इसमें नामांकन किया है, जो योजना के शुरू होने से इस अवधि में अब तक का सबसे अधिक नामांकन है। नामांकन के अलावा पुरुष से महिला सदस्यता अनुपात 56:44 में सुधार हो रहा है और प्रबंधन के तहत संपत्ति (एयूएम) लगभग 20,000 करोड़ रुपये है। 9 मई 2015 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने असंगठित क्षेत्रों में नागरिकों को वृद्धावस्था आय सुरक्षा देने के उद्देश्य से भारत सरकार की प्रमुख सामाजिक सुरक्षा योजना एपीवाई की शुरुआत की थी। पेंशन कोष नियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) के अध्यक्ष सुप्रतिम बंद्योपाध्याय, जो अटल पेंशन योजना का संचालन करते हैं, ने कहा कि समाज के सबसे कमजोर वर्गों को पेंशन के दायरे में लाने का यह अद्भुत काम सार्वजनिक और निजी बैंकों के अथक प्रयासों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, भुगतान बैंक, लघु वित्त बैंक, सहकारी बैंक, डाक विभाग और राज्य स्तरीय बैंकर समितियों द्वारा दिए गए समर्थन से ही संभव हो सका है। पीएफआरडीए के अध्यक्ष ने कहा कि इस चालू वित्त वर्ष में एक करोड़ लोगों के नाम दर्ज करने के अलावा आगे देश में पेंशन संतृप्ति (परिपूर्णता) प्राप्त करने का काम है और इसे हासिल करने के लिए हम लगातार सक्रिय पहल करेंगे।

रैलियों से घबराने की जरूरत नहीं हमारे पास कोरोना से निपटने के लिए पर्याप्त संसाधन- मुख्तार अब्बास नकवी

नई दिल्ली । केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने बुधवार को कहा कि आगामी विधानसभा चुनावों में चुनावी रैलियों के कारण कोरोना संक्रमण फैलने के डर से घबराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि देश के पास कोविड-19 से निपटने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं। कोविड-19 को लेकर किसी भी तरह की दहशत नहीं होनी चाहिए। हमें योजना बनानी चाहिए, सावधानी बरतनी चाहिए, रोकथाम के लिए प्रयास करना चाहिए। राजनीतिक रैलियों और संक्रमण फैलने के डर से घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि हमारे पास पर्याप्त संसाधन हैं और लोगों के स्वास्थ्य और भलाई के लिए इस लड़ाई को लड़ने के लिए सुविधाएं हैं। उन्होंने कहा, ÷मुझे लगता है कि आप बार-बार दहशत पैदा कर लोगों को और परेशान कर रहे हैं। इसके अलावा सरकार के पास इतनी सुविधाएं और संसाधन हैं कि किसी भी संकट का समाधान किया जा सकता है। केंद्रीय मंत्री पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री ओपी सोनी की बढ़ती सीओवीआईडी -19 मामलों के बीच बड़ी सभाओं के साथ राजनीतिक रैलियों पर प्रतिबंध लगाने की मांग पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि बाद में प्रतिबंध की मांग करके लोगों में दहशत पैदा की जा रही है। इस बीच, अखिल भारतीय मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) के स्वतंत्रता दिवस की 75 वीं वर्षगांठ पर स्कूलों में 'सूर्य नमस्कार' कार्यक्रम आयोजित करने के केंद्र सरकार के निर्देश के विरोध पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा, ÷यह एक नकली फतवा कारखाना है। यह इसकी एक और हड़बड़ाहट है। अब मुझे नहीं पता कि यह सूर्य से एलर्जी है या नमस्कार से। केवल उनकी कच्ची मानसिकता ही बता सकती है कि उन्हें किससे एलर्जी है। उन्होंने आगे कहा, ÷जहां तक सवाल है कि सूर्य और नमस्कार का, दोनों ही ऊर्जा देते हैं। यह एक विश्व-ज्ञात तथ्य है। यह सभी को ज्ञात है कि सूर्य और नमस्कार लोगों को ऊर्जा देते हैं। अब उन्हें ऊर्जा से एलर्जी है, फिर यह उनकी समस्या है और यही उन्हें पता होना चाहिए।

कांग्रेस ने बरेली में मची भगदड़ के बाद स्थगित की महिला मैराथन, कोरोना केस बढ़ने का दिया हवाला

लखनऊ । कांग्रेस ने बड़ा फैसला लेते हुए महिला मैराथन को स्थगित कर दिया है। कांग्रेस ने मंगलवार को बरेली में 'लड़की हूं, लड़ सकती हूं' वाली महिला मैराथन का आयोजन किया था, जिसमें भगदड़ मचने की वजह से कई लड़कियां जख्मी हो गईं थीं। कांग्रेस ने इसके पीछे भाजपा की साजिश का अंदेशा जताया है। कोरोना वायरस संक्रमण के मामले लगातार तेजी से बढ़ रहे हैं। इसको ध्यान में रखते हुए पार्टी ने महिला मैराथन को स्थगित करने का निर्णय लिया है। कांग्रेस महासचिव और उत्तर प्रदेश पार्टी प्रभारी प्रियंका गांधी की ओर से दिए गए नारे 'मैं लड़की हूं लड़ सकती हूं' के अंतर्गत इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। कांग्रेस ने कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों के मद्देनजर 'लड़की हूं, लड़ सकती हूं' मैराथन को स्थगित कर दिया है। अगले दिनों में नोएडा, वाराणसी और उत्तर प्रदेश के कई अन्य जिलों में 7 से 8 मैराथन की योजना बनाई गई थी, कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत भी जख्मी हो गई हैं। उन्होंने लखनऊ में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा इस तरह के आयोजन होते हैं, तो ऐसी कुछ घटनाएं हो जाती हैं। मगर ऐसा नहीं होना चाहिए। आगे इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होगी। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता अशोक सिंह ने योगी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा नेतृत्व वाली सरकार द्वारा रची गई साजिश के कारण ऐसा हुआ। जिला प्रशासन को पता था कि मैराथन दौड़ आयोजित की जा रही है, लेकिन उसने सहयोग नहीं किया।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में भाग लो ईनाम जीतो

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने पर ईनाम जीतो

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई